

VII Class Hindi (Second Language)



राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, तेलंगाणा, हैदराबाद

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण

बाल बगीचा - 2

FREE

कक्षा - 7 द्वितीय भाषा-हिंदी

VII Class Hindi
(Second Language)



तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा प्रकाशित, हैदराबाद

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण

बच्चों! इन सूचनाओं पर ध्यान दीजिए...

- * यह पाठ्यपुस्तक आप के स्तर और लुचियों के अनुरूप बनायी गयी है। इससे आप अपने में भाषा कौशलों का विकास कर सकते हैं। इसके लिए आप अध्यापक का मार्गदर्शन व सहयोग ले सकते हैं।
- * पाठ व अभ्यास करने के लिए गाइड, सब्जेक्ट मटेरियल, क्वश्चन बैंक आदि का उपयोग नहीं करना चाहिए। इनके अतिरिक्त 'शब्दकोश' का उपयोग करने से पाठ व अभ्यास आसानी से कर सकते हैं। इसके साथ-साथ समाचार पत्र, पुस्तकालय की पुस्तकें, बाल साहित्य आदि का पठन करना चाहिए, जिससे रचनात्मक व सारांशात्मक आकलन के उत्तर आसानी से लिख सकते हैं।
- * हर पाठ के प्रारंभ में उन्मुखीकरण का चित्र दिया गया है। इस चित्र के माध्यम से आपको सबसे पहले संज्ञा शब्दों की पहचान, तत्पश्चात क्रिया शब्दों की पहचान और सोच-विचार के वाक्य बनाने की पहचान करनी चाहिए।
- * हर पाठ में 'सुनो-बोलो' अभ्यास के प्रश्न दिये गये हैं। आपको इन प्रश्नों के उत्तर सोच-विचार के देने चाहिए। इन प्रश्नों के उत्तर विचारात्मक होने चाहिए। इससे आपकी बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
- * हर पाठ में 'पढ़ो' अभ्यास के प्रश्न दिये गये हैं। आपको इन प्रश्नों के उत्तर पढ़कर देने चाहिए। पढ़ो अभ्यास का उद्देश्य आप में पढ़ने व अर्थग्राह्यता की क्षमता का विकास करना है।
- * हर पाठ में 'लिखो' अभ्यास के प्रश्न दिये गये हैं। आपको इन प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में देना चाहिए। इसे हम 'स्वरचना' भी कहते हैं। आपको अपने विचार लिखित रूप में व्यक्त करने चाहिए।
- * हर पाठ में 'शब्द-भंडार' व 'भाषा की बात' के अभ्यास दिये गये हैं। इन अभ्यासों का हल समूहों में बैठकर करना चाहिए। आवश्यकतानुसार अध्यापक का सहयोग लेना चाहिए।
- * 'परियोजना कार्य' स्वयं करके सीखने का कार्य है। इसे आप व्यक्तिगत या समूह में बैठकर करना चाहिए।
- * हर पाठ में 'सृजनात्मक अभिव्यक्ति' अभ्यास के प्रश्न दिये गये हैं। आपको इन प्रश्नों के उत्तर मौखिक, लिखित अथवा प्रदर्शन (अभिनय) के रूप में देने चाहिए जिससे आप में भाषा का सृजनशील विकास होता है।
- * स्वमूल्यांकन के लिए 'क्या मैं ये कर सकता हूँ?' शीर्षक से एक तालिका दी गई है। आपको अपनी भाषाई क्षमता की जाँच स्वयं करनी चाहिए।



भारत का संविधान

भाग 4क

नागरिकों के मूल कर्तव्य

अनुच्छेद 51 क

मूल कर्तव्य—भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह—

- (क) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे,
- (ख) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे,
- (ग) भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण बनाए रखे,
- (घ) देश की रक्षा करे और आहवान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे,
- (ङ) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातुत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभावों से परे हो, ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो महिलाओं के सम्मान के विरुद्ध हों,
- (च) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का महत्व समझे और उसका परिरक्षण करे,
- (छ) प्राकृतिक पर्यावरण की, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं; रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे,
- (ज) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे,
- (झ) सार्वजनिक संपत्ति को सुरक्षित रखे और हिंसा से दूर रहें,
- (ज) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे, जिससे राष्ट्र निरंतर बढ़ते हुए प्रयत्न और उपलब्धि की नई ऊँचाइयों को छू सके।

तेलंगाणा सरकार

महिला एवं शिशु कल्याण विभाग - चाइल्डलाइन फाउंडेशन

पाठ्याला में अथवा पाठ्याला के बाहर प्रताङ्कनाओं का शिकार हो रहे

संकटों, दुखों में फँसे बच्चों की रक्षा के लिए

चाइल्ड लाइन 1098
राज व विन
24 घंटे राष्ट्रीय हेल्पलाइन

बच्चों से काम करवाने, उन्हें पाठ्याला न भेजकर दूसरे कार्यालयों में उपयोग करने पर

परिवार के सदस्यों अथवा परिजनों द्वारा आपत्तिजनक दुर्व्यवहार करने पर

1098 (वस...नौ...आ) निशुल्क दूरभाष सेवा की सुविधा पर फोन कर सकते हैं।

बाल-बगीचा-2

कक्षा-7 हिंदी (द्वितीय भाषा)

Class-VII Hindi (Second Language)

प्रधान कार्यकारी अधिकारी

: श्रीमती बी. शेषु कुमारी

कार्यकारी प्रधान आयोजक

: निदेशक, एस. सी. ई. आर. टी., तेलंगाणा

आयोजन प्रभारी

: श्री बी. सुधाकर

: निदेशक, सरकारी पाठ्य पुस्तक प्रेस, तेलंगाणा राज्य

संपादक मंडल

: डॉ. एन. उपेंद्र रेड्डी

: प्रोफेसर, पाठ्यक्रम व पाठ्यपुस्तक विभाग,
एस. सी. ई. आर. टी., तेलंगाणा राज्य

समन्वयक

: प्रो. टी. वी. कट्टीमनी

: अध्यक्ष, हिंदी विभाग,
मौलाना आज़ाद नेशनल उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद

: प्रो. शकुंतला रेड्डी

: क्षेत्रीय निदेशक, केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद

: प्रो. शुभदा वांजपे, उत्तमानिया विश्वविद्यालय

: श्रीमती पी. विजयलक्ष्मी

: प्राध्यापिका, आई. ए. एस. ई., नेल्लूर, आं. प्र.

: सच्यद मतीन अहमद,

: हिंदी विभाग, एस.सी.आर.टी., हैदराबाद

: डॉ. पी. शारदा

: हिंदी विभाग, एस. सी. ई. आर. टी., तेलंगाणा राज्य

: श्री सुरेश कुमार भिश्मा 'उत्तरप्त',

: हिंदी विभाग, एस.सी.आर.टी., हैदराबाद

: डॉ. रमाकांत अग्निहोत्री

: सेवानिवृत्त प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय

: श्री सुवर्ण विनायक, एस. सी. ई. आर. टी., हैदराबाद

श्रीमती चारू सिन्हा, I.P.S

(विशेष सलाहकार लैंगिक संवेदनशीलता तथा बाल लैंगिक प्रताङ्गना)

निदेशक, ACB तेलंगाणा, हैदराबाद



तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा प्रकाशित, हैदराबाद

विद्या से आगे बढ़ो।
विनय से रहो।

क्रान्ति का आदर करो।
अधिकार प्राप्त करो।



© Government of Telangana, Hyderabad.

First Published 2012

New Impressions - 2013, 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020

All rights reserved.

No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted, in any form or by any means without the prior permission in writing of the publisher, nor be otherwise circulated in any form of binding or cover other than that in which it is published and without a similar condition including this condition being imposed on the subsequent purchaser.

The copy right holder of this book is the Director of School Education, Hyderabad, Telangana State.

This Book has been printed on 70 G.S.M. Maplitho
Title Page 200 G.S.M. White Art Card

Free Distribution by T. S. Government 2020-21

Printed in India
at the Telangana State Govt. Text Book Press,
Mint Compound, Hyderabad,
Telangana State.

— o —

आमुख

तेलंगाणा राज्य में हिंदी भाषा शिक्षण द्वितीय भाषा के रूप में छठवीं कक्षा से आरंभ किया जाता है। इस स्तर पर बालकों की आयु प्रायः ग्यारह-बारह वर्ष की होती है। इस आयु में बालक भाषा का अर्थ और महत्व समझते तो हैं ही, साथ-साथ अपनी मातृभाषा व अंग्रेजी की भी जानकारी रखते हैं। इतना ही नहीं वे अपने अड़ोस-पड़ोस से भी कुछ हिंदी भाषा के शब्द सीख लेते हैं। हमें ज्ञात है कि बालक भाषा अधिगम साधारणतया सहज व व्यावहारिक रूप में करते हैं। इन बातों व एनसीएफ-2005, आरटीई-2009, एससीएफ-2010 एवं आधार पत्र-2011 के सुझावों को ध्यान में रखते हुए इस पाठ्य-पुस्तक का सूजन किया गया है।

त्रिभाषा सूत्र के अनुसार बालकों को माध्यमिक स्तर पर कम-से-कम तीन भाषाओं का ज्ञान कराना है। इस उद्देश्य से बालकों को छठवीं से दसवीं कक्षा तक द्वितीय भाषा के रूप में हिंदी सिखाना है। छठवीं कक्षा में हिंदी शिक्षण का आरंभ होता है। इस स्तर पर छात्रों में हिंदी भाषा के प्रति रुचि उत्पन्न कराना, छात्रों को जिज्ञासु बनाना व सहज, व्यावहारिक एवं मनोरंजक रूप से भाषार्जन के लिए प्रेरित करना हिंदी शिक्षण के उद्देश्य रहे हैं।

इस पाठ्य-पुस्तक में रंगीन चित्र, बालगीत, छोटे संभाषण, चित्रपटन, चित्रकथा, पठन पाठ, रोचक कहानियाँ आदि को स्थान दिया गया है। इनके अभ्यास सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना के अंतर्गत दिये गये हैं। इन्हें बालकों के व्यावहारिक जीवन से जोड़ा गया है। इनके द्वारा छात्रों में, सोच-विचार कर उत्तर देने, तुलना कर निष्कर्ष निकालने और नवीन ज्ञान का संबंध पूर्व ज्ञान से जोड़ने की प्रवृत्ति का विकास होता है। इससे बालक को सूजनशीलता के भरपूर अवसर मिलते हैं। वे अर्जित ज्ञान के आधार पर नवीन ज्ञान की रचना करते हैं। ये अभ्यास पूर्णतः सहज व व्यावहारिक रूप से भाषार्जन करने में सहायक हैं।

पाठशाला शिक्षा विभाग द्वारा प्रकाशित विद्यालयीन पाठ्यपुस्तकों में लैंगिक संवेदनशीलता तथा बाल लैंगिक प्रताड़ना संबंधित मुद्दों को जोड़ा गया है। यूनिसेफ के समर्थन से बच्चों की सुरक्षा को आश्वस्त करने के लिए भिन्न-भिन्न हस्तक्षेपों जैसे व्यक्तिगत सुरक्षा नियम, लैंगिक संवेदनशीलता, बाल लैंगिक प्रताड़ना, आत्मविश्वास, जीवन कौशल के क्षेत्रों में बाल सुरक्षा व्यवस्था तथा बाल सुरक्षा नियमों की सावधानी बरती गयी है।

अतः अध्यापकों को चाहिए कि इन विषयों के संबंध में अनिवार्य जानकारी रखें और छात्रों एवं उनसे जुड़े समुदायों तक पहुँचाएँ।

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद उन समस्त रचनाकारों के प्रति आभार व्यक्त करती है, जिनकी रचनाएँ पुस्तक में शामिल की गयी हैं। रचनाओं के प्रकाशनार्थ अनुमति देने के लिए राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली तथा अन्य सभी राज्य परिषदों, जिन्होंने इस पुस्तक को साकार रूप देने में सहयोग दिया है, उनके प्रति हम आभार प्रकट करते हैं।

श्रीमती बी. शेषु कुमारी

निदेशक

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद
तेलंगाणा, हैदराबाद

अध्यापकों के लिए सूचनाएँ

- * इस पाठ्य-पुस्तक में 12 पाठ हैं। इन्हें चार इकाइयों में विभाजित किया गया है। इन्हें निर्धारित वार्षिक पाठ्योजना के अनुसार पढ़ायें।
- * इस पाठ्य-पुस्तक में अपेक्षित कौशलों व सामर्थ्यों की सूची दी गयी है। इसी के आधार पर छात्रों में दक्षताओं का विकास करने पर ध्यान दें।
- * पाठ्य-पुस्तक में पाठ संबंधी चित्र दिये गये हैं। इनके माध्यम से बच्चों से बातचीत करवायें। दिये गये प्रश्नों के आधार पर बालकों को विविध दृष्टिकोण से सोचने का अवसर दें।
- * पाठ का अध्यापन संदर्भोचित चित्र या प्रस्तावना चित्र से आरंभ हुआ है। इनसे संबंधित विचारशील प्रश्न पूछें। बालगीत, कविता आदि श्यामपट पर लिखें, पढ़ें, पढ़वायें, सुनायें। अभिनययुक्त पठन-पाठन करवायें।
- * हर पाठ के अभ्यास में सुनना, बोलना, पढ़ना और लिखना कौशलों से संबंधित अभ्यासों के साथ-साथ शब्द-भंडार, भाषा की बात, सृजनात्मक अभिव्यक्ति से संबंधित अभ्यास भी दिये गये हैं। इन सभी का सदुपयोग कर, छात्रों में भाषागत कौशलों व विविध दक्षताओं का समुचित विकास करने का प्रयास करें। बालगीत या वार्तालाप या कहानी आदि पाठों के लिए सुनने-बोलने संबंधी क्रियाएँ कक्षा में सामूहिक रूप से करवायें। सबको स्वतंत्र व सहज रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित करें।
- * पढ़ना-लिखना अभ्यास कार्य छात्रों को समूहों में बॉटकर करवायें, जिससे उनमें सामूहिक रूप से कार्य करने की प्रवृत्ति का विकास हो। इन अभ्यास कार्यों के निर्देश छात्रों को भली-भाँति समझने का अवसर दें, जिससे वे स्वयं अभ्यास कर सकें।
- * इस पाठ्य-पुस्तक में ही अभ्यास पुस्तिका निहित है। अतः इसके साथ-साथ छात्रों के पास एक कक्षा कार्य पुस्तिका हो जिसमें वे पाठ संबंधी लेखन कार्य कर सकें।
- * इस पाठ्य-पुस्तक में बालक के व्यावहारिक जीवन में आनेवाली शब्दावली का प्रयोग किया गया है। इस पर ध्यान देते हुए भाषा-अधिगम की प्रक्रिया का संबंध बालक के जीवन से जोड़ें ताकि बालक सरलता से भाषागत विकास कर सकें।
- * यह पुस्तक बालक को पुस्तकालय की विविध पुस्तकें पढ़ने के लिए प्रेरणा देती है। अतः इस दिशा में बालकों को प्रेरित करें।
- * प्रत्येक इकाई में पठन हेतु दो-दो पाठ भी दिये गये हैं। इससे छात्र स्वयं पठन करके आत्मसात करने की क्षमता का विकास कर सकेंगे। इस संदर्भ में अध्यापक छात्रों का सहयोग व मार्गदर्शन करें।
- * विविध पाठों के आधार पर संदर्भानुसार छात्रों को मानव मूल्य, पर्यावरण, शांति, अहिंसा, संवैधानिक मूल्य आदि का व्यावहारिक प्रशिक्षण दें, जिससे छात्र आदर्श नागरिक बन सकें।

सहभागी गण

श्री सव्यद मतीन अहमद

एस. सी. ई. आर. टी., तेलंगाणा राज्य

डॉ. पी. शारदा

एस. सी. ई. आर. टी., तेलंगाणा राज्य

कुमारी ऋतु भसीन

राज्य हिंदी संसाधक, तेलंगाणा राज्य

डॉ. शेख अब्दुल गनी

जिला हिंदी संसाधक, नलगोंडा

श्रीमती कविता

राज्य हिंदी संसाधक, तेलंगाणा राज्य

श्रीमती जी. किरण

राज्य हिंदी संसाधक, तेलंगाणा राज्य

श्री मोहम्मद उमर अली

राज्य हिंदी संसाधक, तेलंगाणा राज्य

श्री मोहम्मद अज्ञमत खान

हिंदी अध्यापक, रंगारेड्डी

डॉ. पठान रहीम खान

सहायक आचार्य, एम.ए.एन.यु विश्वविद्यालय

श्री बीरा श्रीनिवास

खम्मम, तेलंगाणा राज्य

श्री वडूडेपल्ली वेंकटेशम

नलगोंडा, तेलंगाणा राज्य

श्री चेंचला वेंकटरमणा

नलगोंडा, तेलंगाणा राज्य

डॉ. टी. वी. पी. एवं लेआउट : श्रीमती एन. हेमलता, आरीफ़ा सुल्ताना - तेलंगाणा हिंदी अकादमी, हैदराबाद

चित्रांकन

श्री कुरेल्ला राघवचारी

नलगोंडा, तेलंगाणा राज्य

श्री टी. वी. राधाकृष्णा

मेदक, तेलंगाणा राज्य

राष्ट्र-गत

जन-गण-मन अधिनायक जय हे!

भारत भाग्य विधाता।

पंजाब, सिंध, गुजरात, मराठा,

द्राविड़, उत्कल बंग।

विंध्य, हिमाचल, यमुना, गंगा

उच्छ्वल जलधि-तरंग।

तव शुभ नामे जागे।

तव शुभ आशिष मांगे,

गाहे तव जय गाथा!

जन-गण-मंगलदायक जय हे!

भारत-भाग्य-विधाता।

जय हे! जय हे! जय हे!

जय, जय, जय, जय हे!

- खीर्द्वनाथ टैगोर

वंदेमातरम्

वंदेमातरम् वंदेमातरम्
सुजलाम् सुफलाम् मलयज शीतलाम्
सस्यश्यामलाम् मातरम् वंदेमातरम्
शुभ्रज्योत्सना पुलकित यामिनी
पुल्ल कुसुमिता द्विमदल शोभिनी
सुहासिनी सुमधुर भाषिणी
सुखदाम् वरदाम् मातरम्
वंदेमातरम्

-बंकिमचंद्र चटर्जी

सारे जहाँ से अच्छा

सारे जहाँ से अच्छा हिंदोस्ताँ हमारा।

हम बुलबुलें हैं इसकी, ये गुलसिताँ हमारा॥

परबत वो सबसे ऊँचा, हमसाया आसमाँ का।

वो संतरी हमारा, वो पासबाँ हमारा॥

गोदी में खेलती हैं, इसकी हजारों नदियाँ।

गुलशन है जिनके दम से, रश्क-ए-जिनाँ हमारा॥

मज़हब नहीं सिखाता, आपस में बैर रखना।

हिंदी हैं हम वतन हैं, हिंदोस्ताँ हमारा॥

- मोहम्मद इकबाल

प्रतिज्ञा

भारत मेरा देश है और समस्त भारतीय मेरे भाई-बहन हैं। मैं अपने देश से प्रेम करता हूँ और इससे प्राप्त विशाल एवं विविध ज्ञान-भंडार पर मुझे गर्व है। मैं सर्वदा इस देश एवं इसके ज्ञान-भंडार के अनुरूप बनने का प्रयास करूँगा। मैं अपने माता-पिता और अध्यापकों तथा समस्त गुरुजनों का आदर करूँगा और प्रत्येक व्यक्ति के प्रति नम्रतापूर्वक व्यवहार करूँगा। मैं जीव-जंतुओं से भी प्रेमपूर्वक व्यवहार करूँगा। मैं अपने देश और उसकी जनता के प्रति अपनी भक्ति की शपथ लेता हूँ। उनके मंगल एवं समृद्धि में ही मेरा सुख निहित है।

- पैडमार्ट वेंकट सुब्राह्मण्यम्

क्या कहाँ है?

| इकाई | क्र. सं. | पाठ का नाम | विधा | माह | पृष्ठ सं. |
|------|----------|------------------------|----------|---------|-----------|
| I. | 1. | मन करता है | कविता | जून | 01 |
| | 2. | सच्चा दोस्त | कहानी | जुलाई | 05 |
| | 3. | अगर पेड़ भी चलते होते | कविता | जुलाई | 11 |
| | | हिंदी दिवस | संवाद | जुलाई | 12 |
| | | चूहे को मिली पेंसिल | कहानी | जुलाई | 18 |
| II. | 4. | अपना घ्यारा भारत देश | कविता | अगस्त | 20 |
| | 5. | आसमान गिरा | कहानी | अगस्त | 24 |
| | 6. | बादल | कहानी | अगस्त | 30 |
| | | छुट्टी पत्र | पत्र | सितंबर | 31 |
| | | नहा मुन्ना राही हूँ... | कविता | सितंबर | 35 |
| III. | 7. | चारमीनार | कविता | अक्टूबर | 36 |
| | 8. | हमारे त्योहार | संवाद | अक्टूबर | 41 |
| | 9. | स्वच्छता और स्वास्थ्य | निबंध | नवंबर | 47 |
| | | गुसाडी | आत्मकथा | नवंबर | 48 |
| | | घ्यारी बिटिया | कविता | नवंबर | 53 |
| IV. | 10. | कबीर के दोहे | कविता | दिसंबर | 54 |
| | 11. | साहसी सुनीता | कहानी | जनवरी | 59 |
| | 12. | घंटे की आवाज़ | चित्रकथा | फरवरी | 64 |
| | | आत्मविश्वास | कहानी | फरवरी | 66 |
| | | कंजूस सेठ | कहानी | फरवरी | 70 |

 ये पाठ केवल पढ़ने के लिए हैं।

सीखने की संग्राहियाँ

हिंदी

बच्चे....

कक्षा सात

- किसी सामग्री को पढ़ते हुए लेखक द्वारा रचना के परिप्रेक्ष्य में कहे गए विचारों को समझकर और अपने अनुभवों के साथ उनकी संगति, सहमति या असहमति के संदर्भ में अपने विचार अभिव्यक्त करते हैं।
- विविध उद्देश्यों के लिए अपनी भाषा अथवा स्कूल की भाषा का इस्तेमाल करते हुए बातचीत करते हैं, जैसे-जानकारी पाने के लिए प्रश्न पूछना, निजी अनुभवों को साझा करना, अपना तर्क देना आदि।
- अपनी निजी जिंदगी और परिवेश पर आधारित अनुभवों पर सुनायी जा रही सामग्री, जैसे-कविता, कहानी, पोस्टर, विज्ञापन आदि से जोड़ते हुए बातचीत में शामिल करते हैं।
- पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतर समझ के लिए प्रश्न पूछते, परिचर्चा करते हैं।
- अपने परिवेश में मौजूद लोककथाओं और लोकगीतों के बारे में चर्चा करते हैं और उनकी सराहना करते हैं।
- किसी पाठ्यवस्तु को पढ़ने के दौरान ज़रूरत पड़ने पर अपने किसी सहपाठी या शिक्षक की मदद लेकर उपयुक्त संदर्भ सामग्री, जैसे- शब्दकोश, मानचित्र, इंटरनेट या अन्य पुस्तकों का प्रयोग करते हैं।
- चित्र में या क्रमबार सजाये चित्रों में घट रही अलग-अलग घटनाओं, गतिविधियों और पात्रों को एक संदर्भ या कहानी के सूत्र में देखकर समझते हैं और सराहना करते हैं।
- अपनी निजी जिंदगी और परिवेश पर आधारित अनुभवों को अपने लेखन में शामिल करते हैं।
- अपनी कल्पना से कहानी, कविता आगे बढ़ाते हैं।
- अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं।



गोपनीय मिशन राज्य,
तेलंगाना बोर्ड



विषय 5 मृत्युनुसार
एन सी ई आर टी
NCERT

इकाई - I

1. मन करता है

सोचो-बोलो



प्रश्न :

1. चित्र में क्या-क्या दिखायी दे रहा हैं?
2. लड़के क्या कर रहे हैं?
3. वे एक दूसरे से क्या बात कर रहे होंगे?

छात्रों के लिए सुचनाएँ :

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. यह कविता पढ़िए। समझ में न आने वाले शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. समझ में न आने वाले शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. समझ में न आने वाले शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।



मन करता है सूरज बनकर
आसमान में दौड़ लगाऊँ।

मन करता है चंदा बनकर
सब तारों पर अकड़ दिखाऊँ।

मन करता है तितली बनकर
दूर-दूर तक उड़ता जाऊँ।

मन करता है कोयल बनकर
मीठे-मीठे बोल सुनाऊँ।

मन करता है चिड़िया बनकर
चीं-चीं-चूँ-चूँ शोर मचाऊँ।

मन करता है चरखी लेकर
पीली-लाल पतंग उड़ाऊँ।



-सुरेंद्र विक्रम



सुनो-बोलो

- आपका मन क्या-क्या करने को कहता है?
- आप अपने घर में किसके गुण अधिक पसंद करते हैं? क्यों?



पढ़ो

- कौन क्या करता है? जोड़ी बनाइए।

| | |
|---------|--------------------------|
| सूरज | दूर-दूर तक उड़ती है। |
| चाँद | मीठे-मीठे गीत सुनाती है। |
| तितली | आसमान में दौड़ लगाता है। |
| कोयल | शोर मचाती है। |
| चिड़िया | तारों पर अकड़ दिखाता है। |



- कविता में बालक का मन क्या-क्या करने को कहता है? बताइए।



लिखो

- पतंग के बारे में दो वाक्य लिखिए।



शब्द भंडार

1. पतंग की तरह हवा में क्या-क्या उड़ सकते हैं?
-
.....
.....



भाषा की बात

पढ़ो-समझो

दौड़ लगाऊँ

उड़ता जाऊँ

शोर मचाऊँ

अकड़ दिखाऊँ

कहानी सुनाऊँ

पतंग उड़ाऊँ



सृजनात्मक अभिव्यक्ति

1. पतंग का चित्र बनाकर रंग भरिए।



क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?

हाँ (✓)

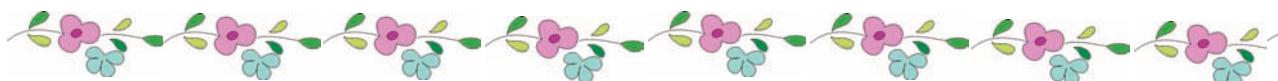
नहीं (✗)

1. मैं अभिनय के साथ कविता गा सकता/सकती हूँ।

2. मैं कविता का भाव अपने शब्दों में बता सकता/सकती हूँ।

3. मैं कविता के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।

बचपन सुंदर होता है। - सुभद्रा कुमारी घौहान



2. सच्चा दोस्त

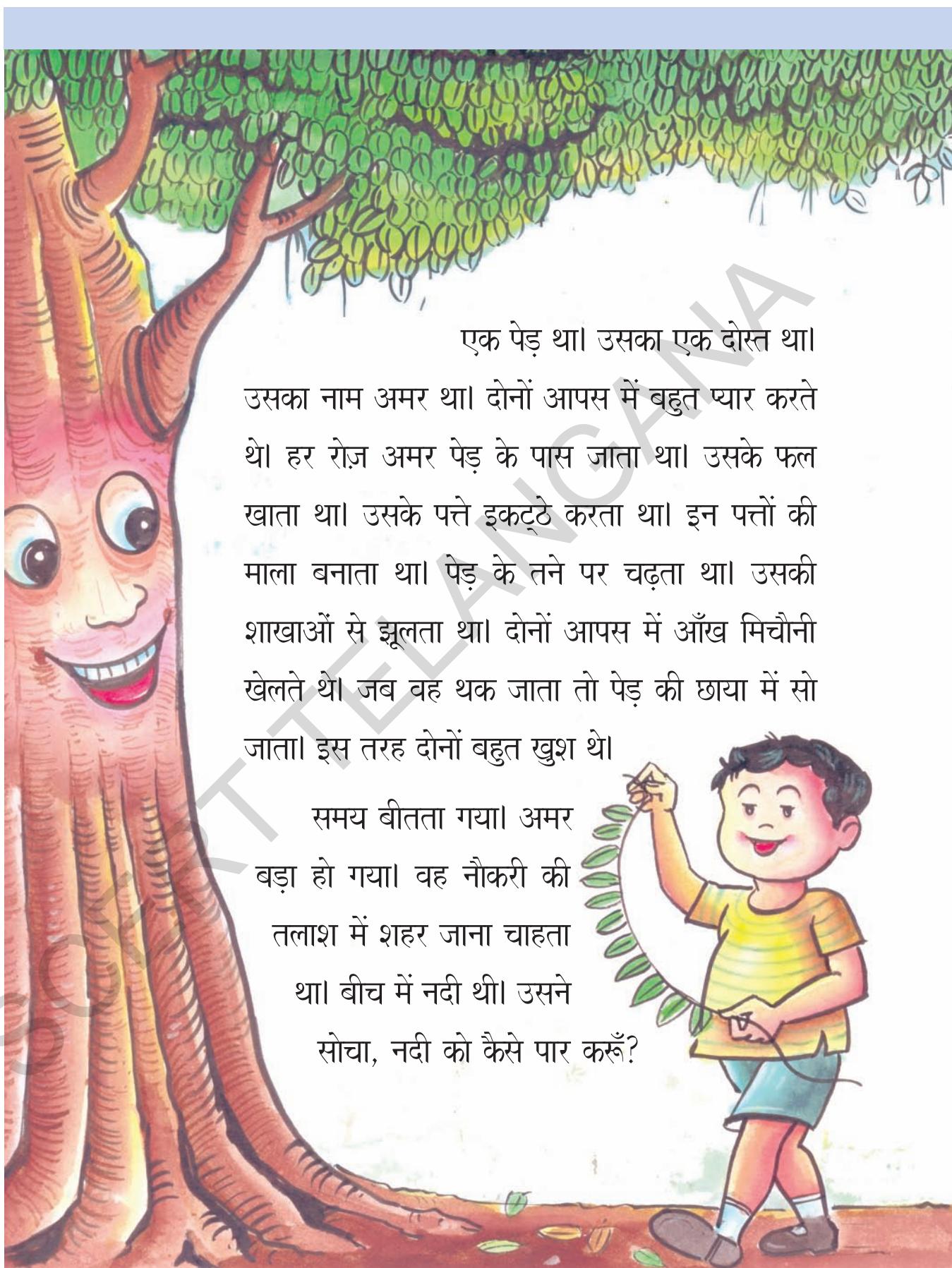


प्रश्न :

1. चित्र में क्या-क्या हैं?
2. पेड़ के बारे में कुछ बताइए।
3. वे आपस में क्या बातें कर रहे होंगे?

छात्रों के लिए सुचनाएँ :

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. यह पाठ पढ़िए। समझ में न आने वाले शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. समझ में न आने वाले शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. समझ में न आने वाले शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।



एक पेड़ था। उसका एक दोस्त था।
उसका नाम अमर था। दोनों आपस में बहुत प्यार करते
थे। हर रोज अमर पेड़ के पास जाता था। उसके फल
खाता था। उसके पत्ते इकट्ठे करता था। इन पत्तों की
माला बनाता था। पेड़ के तने पर चढ़ता था। उसकी
शाखाओं से झूलता था। दोनों आपस में ऊँख मिचौनी
खेलते थे। जब वह थक जाता तो पेड़ की छाया में सो
जाता। इस तरह दोनों बहुत खुश थे।

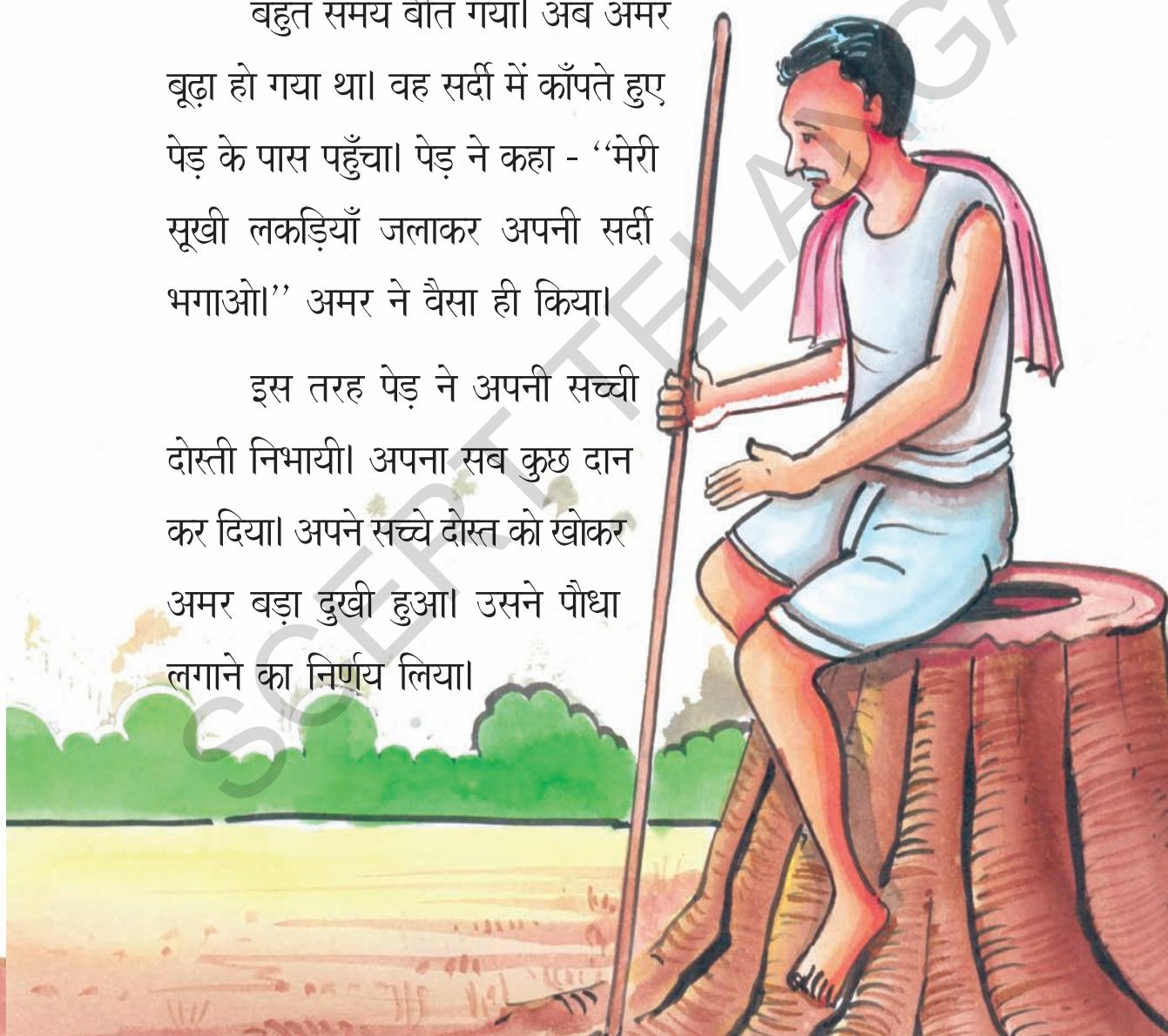
समय बीतता गया। अमर¹
बड़ा हो गया। वह नौकरी की
तलाश में शहर जाना चाहता
था। बीच में नदी थी। उसने
सोचा, नदी को कैसे पार करूँ?



सोचते हुए पेड़ के पास गया। पेड़ को अपनी समस्या बतायी। पेड़ ने कहा- “मेरी शाखाएँ काटो। नाव बना लो।” अमर ने वैसा ही किया। अमर शहर चला गया। वहाँ खूब पैसा कमाया। गाँव लौटा। लौटने के कुछ दिन पहले उसके गाँव में तूफान आया था। तूफान के कारण अमर का घर टूट गया था। वह पेड़ के पास पहुँचा। पेड़ ने कहा- “मेरा तना काटकर अपना घर बना लो।” अमर ने वैसा ही किया।

बहुत समय बीत गया। अब अमर बूढ़ा हो गया था। वह सर्दी में काँपते हुए पेड़ के पास पहुँचा। पेड़ ने कहा - “मेरी सूखी लकड़ियाँ जलाकर अपनी सर्दी भगाओ।” अमर ने वैसा ही किया।

इस तरह पेड़ ने अपनी सच्ची दोस्ती निभायी। अपना सब कुछ दान कर दिया। अपने सच्चे दोस्त को खोकर अमर बड़ा दुखी हुआ। उसने पौधा लगाने का निर्णय लिया।





सुनो-बोलो

1. अमर और पेड़ की सच्ची दोस्ती के बारे में बताइए।
2. पेड़ हमारा सच्चा दोस्त है। कैसे?



पढ़ो

(अ) नीचे दिये गये वाक्यों को उचित क्रम में बताइए।

- इस तरह पेड़ ने सच्ची दोस्ती निभायी। ()
- अमर का घर टूट गया। ()
- उसका एक दोस्त था। (1)
- सब कुछ दान कर दिया। ()
- मेरी शाखाएँ काटो, नाव बना लो। ()



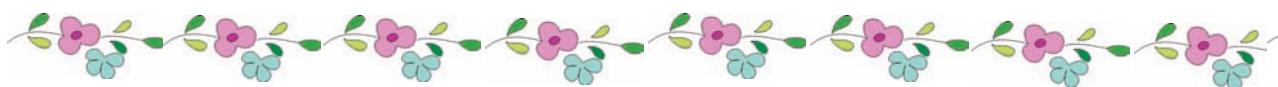
लिखो

(अ) पेड़ से हमें क्या-क्या लाभ हैं?

.....

.....

.....





शब्द भंडार

(अ) निम्न शब्दों के अर्थ गुब्बारों से चुनकर लिखिए।

दोस्ती = पेड़ =

तलाश = माला =

इकट्ठा =



(आ) नीचे दिये गये अंक देखिए।

11 - ग्यारह 16 - सोलह

12 - बारह 17 - सत्रह

13 - तेरह 18 - अठारह

14 - चौदह 19 - उन्नीस

15 - पंद्रह 20 - बीस

(इ) इन शब्दों को अलग कीजिए और लिखिए।

खिड़की

गिलास

मेज

कलम

पंखा

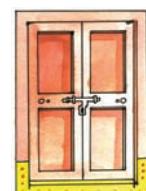
बल्ला

किताब

कुर्सी

थैली

दरवाजा



| लकड़ी से बनी वस्तुएँ | अन्य वस्तुएँ |
|----------------------|--------------|
| | |
| | |
| | |
| | |



भाषा की बात

(अ) समझो-पढ़ो।

एक पेड़ - अनेक पेड़

एक फूल - अनेक फूल

एक घर - अनेक घर

एक फल - अनेक फल

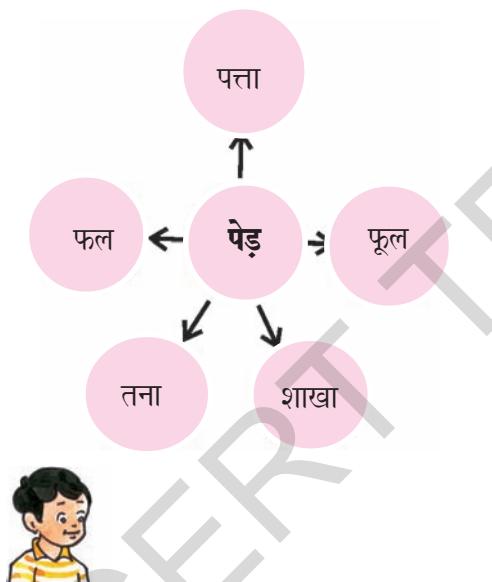
एक शहर - अनेक शहर

एक गाँव - अनेक गाँव



सृजनात्मक अभिव्यक्ति

(अ) निम्न संकेतों के आधार पर पेड़ के बारे में लिखिए।



.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....



क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?

हाँ (✓)

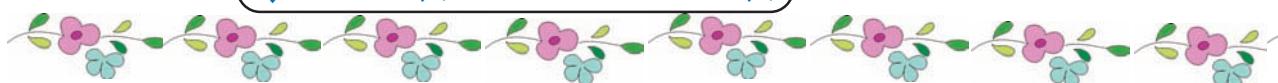
नहीं (✗)

1. मैं पाठ के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ।

2. मैं पाठ का सारांश अपने शब्दों में बता सकता/सकती हूँ।

3. मैं पाठ के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।

पेड़-पौधे लगाइए देश को हरा-भरा बनाइए।





पढ़ो-आनंद लो

अगर पेड़ भी चलते होते

अगर पेड़ भी चलते होते,
कितने मज़े हमारे होते।

बाँध तने से उसके रस्सी,
जहाँ कहीं भी हम चल देते।

अगर कहीं पर धूप सताती,
उसके नीचे हम छिप जाते।

भूख सताती अगर अचानक,
तौड़ मधुर फल उसके खातो।

आती कीचड़-बाढ़ कहीं तो,
ऊपर उसके झट चढ़ जातो।

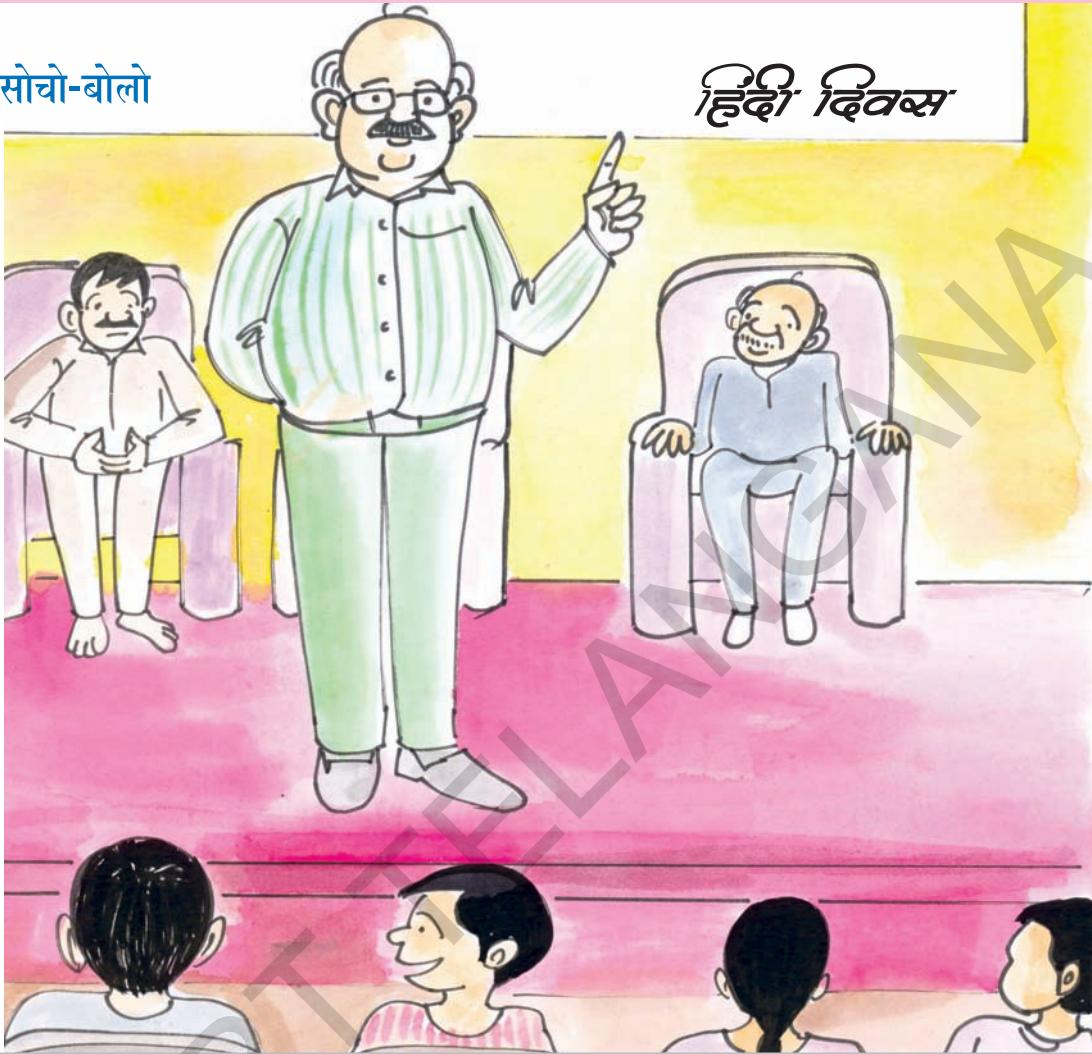
– दिविक रमेश



3. हिंदी दिवस

सोचो-बोलो

हिंदी दिवस



प्रश्न :

1. चित्र में क्या-क्या दिखायी दे रहा है?
2. बायीं ओर देख रहा लड़का किसके बारे में पूछ रहा होगा?
3. मंच पर खड़ा आदमी क्या बोल रहा होगा?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. यह पाठ पढ़िए। समझ में न आने वाले शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. समझ में न आने वाले शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. समझ में न आने वाले शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

(सरिता और रोज़ी दोनों सहेलियाँ हैं। रास्ते में मिलती हैं, बातचीत करती हुई चलती हैं।)

- रोज़ी : क्या बात है सरिता? तुम आज बड़ी खुश हो। कहाँ से आ रही हो?
- सरिता : अपने विद्यालय से...। कल एक विशेष कार्यक्रम है। उसी की तैयारी चल रही है।
- रोज़ी : अच्छा, तो तुम्हारे स्कूल में भी हिंदी दिवस मनाया जा रहा है।
- सरिता : हाँ, कल 14 सितंबर है न, इसीलिए तो मैं तुम्हें बुला रही थी। मुझे भी गीत सिखा दो न...
- रोज़ी : ठीक है। मैं तुम्हें सुनाती हूँ ध्यान से सुनो और सीख लो। हिंदी सीखो, हिंदी बोलो, हिंदी को अपनाओ। आओ सब मिलकर गाओ, हिंदी दिवस मनाओ।
- सरिता : हिंदी दिवस 14 सितंबर को ही क्यों मनाते हैं?
- रोज़ी : हमारे अध्यापक जी ने बताया था कि 14 सितंबर, 1949 को संविधान में हिंदी राजभाषा के रूप में अपनाई गई।
- सरिता : समझ गई। इसलिए हर साल इस दिन हिंदी दिवस मनाया जाता है। लेकिन हिंदी को ही देश की राजभाषा क्यों चुना गया?



रोजी : क्योंकि हिंदी बोलने वाले हमारे देश में सबसे अधिक हैं, लेकिन तुम भी तो बताओ, तुम भाषण में क्या कहोगी?

सरिता : तो सुनो... (अभिनय करते हुए बताती है)
- आदरणीय प्रधानाध्यापक जी! गुरुजन! एवं मेरे प्रिय सहपाठियो!
आप सबको हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ।
हिंदी हमारे देश की राजभाषा है।

इसे सीखना हमारे लिए बहुत ज़रूरी है...

(सरिता ने भाषण में और क्या-क्या कहा होगा?)





सुनो-बोलो

1. विद्यालय में हिंदी दिवस के कार्यक्रम में क्या-क्या हुआ होगा?

2. हिंदी सीखने से क्या-क्या लाभ है?



पढ़ो

(अ) ऐसा किसने कहा? पाठ के आधार पर लिखिए।

- मैं तुम्हें सुनाती हूँ
- लेकिन तुम भी तो बताओ, तुम भाषण में क्या कहोगी?
- कल एक विशेष कार्यक्रम है।
- हिंदी सीखो, हिंदी बोलो, हिंदी को अपनाओ।
- क्या बात है सरिता?
- उसी की तैयारी चल रही है।
- कहाँ से आ रही हो?



लिखो

(अ) नीचे दिये प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. हिंदी सीखने के लिए आप क्या-क्या करेंगे?
2. अपने घर में या आसपास रहने वाले किन-किन लोगों से आप हिंदी में बात कर सकते हैं?





शब्द भंडार

(अ) वर्गपहेली में कुछ भाषाओं के नाम दिये गये हैं। चुनकर लिखिए।

| | | | | | |
|----|-----|----|----|-----|----|
| हि | सा | बी | ते | क | म |
| दी | जा | पा | लु | न्न | ल |
| पं | ज | व | गु | ङ | या |
| गु | ज | रा | ती | उ | ल |
| रा | सिं | धी | न | दू | म |

जैसे :- तेलुगु

.....

.....

.....



भाषा की बात

पाठशाला में मनाये जाने वाले किन्हीं चार कार्यक्रमों के नाम लिखिए।

| | |
|--|--|
| | |
| | |
| | |



सृजनात्मक अभिव्यक्ति

हिंदी का महत्व बताते हुए अपने विचार लिखिए।

.....

.....

.....





परियोजना कार्य

किसी एक बालगीत का संकलन कीजिए।



क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?

हाँ (✓)

नहीं (✗)

- मैं पाठ के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ।
- मैं शब्द के अर्थ पहचान सकता/सकती हूँ।
- मैं पाठ के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।

विचार-विमर्श

अपना दुःख-दर्द, निराशा, समस्या, अपने माता-पिता, अध्यापक या दोस्त को बताने से कम हो जाती है। कई बार समस्या का समाधान भी मिल जाता है। तुम अपना दुःख-दर्द किसे बताते हो?

हिंदी देश को जोड़ने वाली कड़ी है। - रामधारी सिंह दिनकर





पढ़ो-आनंद लो

चूहे को मिली पेंसिल

एक चूहा था। उसे बहुत भूख लग रही थी। वह खाने के लिए कुछ ढूँढ़ रहा था। उसे एक पेंसिल मिली।

पेंसिल चूहे से गिड़गिड़ाकर बोली-

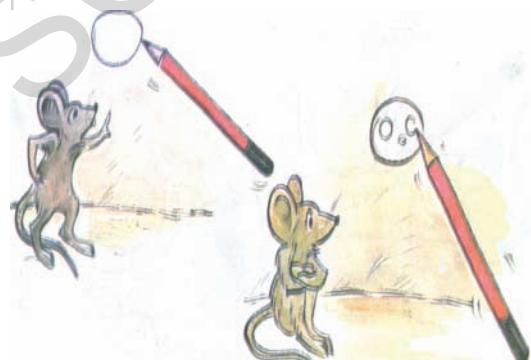
“मुझे छोड़ दो, मुझे जाने दो। मैं तुम्हारे किस काम की हूँ? मैं तो लकड़ी का टुकड़ा हूँ। खाने में भी अच्छी नहीं लगूँगी।”



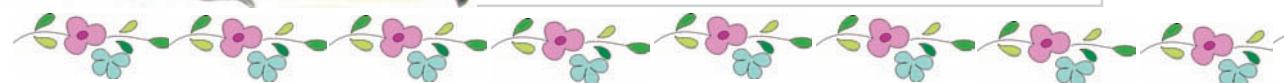
चूहे ने कहा- “मैं तुम्हें कुतरूँगा”। मुझे अपने दाँत पैने और छोटे रखने के लिए हमेशा कुछ न कुछ कुतरना पड़ता है।” यह कहते-कहते चूहे ने पेंसिल कुतरना शुरू कर दिया।

“उई, मुझे दर्द हो रहा है” पेंसिल ने कहा। “मुझे एक आखिरी चित्र बना लेने दो, फिर तुम जो चाहे करना।” “ठीक है”, चूहे ने कहा, “तुम चित्र बना लो। फिर मैं चबाकर तुम्हारे टुकड़े-टुकड़े कर दूँगा।”

पेंसिल ने ठंडी साँस ली। उसने एक बड़ा-सा गोला और उसके अंदर तीन छोटे गोले बना दिये। “यह क्या पनीर का टुकड़ा है?” चूहे ने पूछा। “चलो, हम इसे पनीर बोलेंगे।”, पेंसिल ने मान लिया।



फिर उसने बड़े गोले के नीचे एक बड़ा गोला बनाया। “अरे! यह तो सेब है।”, चूहा चहका। “हाँ, इसे सेब कह लेते हैं,” पेंसिल ने कहा।



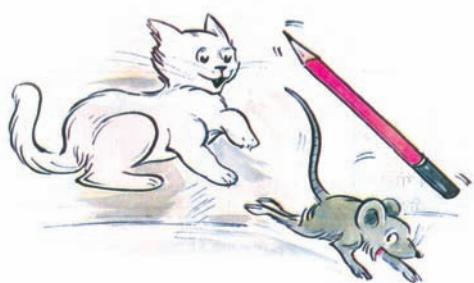


पेंसिल फिर दूसरे बड़े गोले के पास कुछ अजीब चित्र बनाने लगी। “अरे वाह! अब तो मजा ही आ गया। ये तो ककड़ी हैं।” चूहे के मुँह में पानी आने लगा। “जल्दी करो। मुझे खाना है।”

पेंसिल ने ऊपर वाले गोले के ऊपर दो छोटे तिकोने बना दिये। “अरे, अरे।” चूहा चीखा। “अब तो तुम उसे बिल्ली की तरह बनाने लगी। और आगे मत बनाओ।”



लेकिन पेंसिल बनाती गई। उसने ऊपर के गोले पर लंबी-लंबी मूँछें और मुँह बनाया।



चूहा डरकर चिल्लाया।
“अरे बाप रे! यह तो बिल्कुल



असली बिल्ली लग रही है। बचाओ।”

ऐसा कहकर वह भागकर अपने बिल में धुस गया।





सोचो-बोलो

प्रश्न :

1. चित्र में क्या दिखायी दे रहा है?
2. सब बच्चे क्या नारे लगा रहे होंगे?
3. नारे लगाते बच्चों के मन में कौन से भाव होंगे?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. यह कविता पढ़िए। समझ में न आने वाले शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. समझ में न आने वाले शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. समझ में न आने वाले शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

जग में सबसे न्यारा देश,
अपना प्यारा भारत देश।
हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई,
की आँखों का तारा देश

ऊँचे शिखरों वाला देश,
चंचल नदियों वाला देश।
सोने, चाँदी, हीरे जैसी,
फसलों वाला प्यारा देश॥

इसके कण-कण में संदेश,
ऐसा पावन है यह देश।
है धरती का स्वर्ग यही,
अपना प्यारा भारत देश॥



सुनो-बोलो

- भारत देश तुम्हें क्यों प्यारा है?
- कविता में भारत को 'धरती का स्वर्ग' क्यों कहा गया है?



पढ़ो

(अ) कविता पढ़िए और निम्नलिखित भाव किन पंक्तियों में हैं? उन पंक्तियों को लिखिए।

- हमारा भारत देश पवित्र है, क्योंकि इसके कण-कण में संदेश है।

.....

(आ) कविता में पहले क्या आया है? उसे क्रम 1, 2, 3 और 4 दीजिए।

- ऐसा पावन है यह देश ()

- अपना प्यारा भारत देश ()

- है धरती का स्वर्ग यही ()

- इसके कण-कण में संदेश ()



लिखो

(अ) नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

- हमारा देश किन-किन कारणों से सुंदर लगता है?

.....





शब्द भंडार

(अ) डिब्बे में से एक जैसे अर्थ वाले शब्दों की तालिका बनाइए।

| उदा : भूमि | धरती |
|------------|------|
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |

| | | | |
|--------|------|---------|--------|
| दुनिया | नयन | नक्षत्र | स्वर्ण |
| पवित्र | भूमि | बड़े | धरती |
| तारा | सोना | जग | ऊँचै |
| आँखें | पावन | | |



भाषा की बात

(अ) रेखांकित शब्द पढ़ो-समझो।

भारत एक विशाल देश है। इसकी संस्कृति बहुत प्राचीन है। इसकी गरिमा महान है। यह विश्व का सुंदर देश है। यहाँ अनेक भाषाएँ बोली जाती हैं। जैसे - मोटा, चतुर, गरीब, खट्टा, आधा, पूरा, एक, दस, दूसरा, थोड़ा, बहुत आदि।



सृजनात्मक अभिव्यक्ति

(अ) देशभक्ति से संबंधित दो नारे लिखिए।



1. 2.

| क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ? | हाँ (✓) | नहीं (✗) |
|---|-----------|------------|
| 1. मैं कविता के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ। | | |
| 2. मैं कविता का सारांश अपने शब्दों में बता सकता/सकती हूँ। | | |
| 3. मैं कविता के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ। | | |



5. आसमान गिरा

सोचो-बोलो



प्रश्न :

1. चित्र में क्या दिखाई दे रहा है?
2. शेर कुएँ में देखकर क्या सोच रहा होगा?
3. खरगोश शेर से क्या कह रहा होगा?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. यह पाठ पढ़िए। समझ में न आने वाले शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. समझ में न आने वाले शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. समझ में न आने वाले शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

एक खरगोश था। वह पेड़ के नीचे सो रहा था। अचानक ज़ोर की आवाज़ हुई - “धम्म” खरगोश उठ बैठा। वह बोला, ‘अरे! क्या गिरा?’ खरगोश ने इधर-उधर देखा। उसे कुछ दिखायी नहीं दिया। उसे लगा आसमान गिर रहा है। खरगोश डर गया और भागने लगा।

भागते-भागते उसे एक लोमड़ी मिली। उसने पूछा- ‘खरगोश भाई, कहाँ जा रहे हो? ज़रा सुनो तो।’

खरगोश भागते-भागते बोला - ‘आसमान गिर रहा है, भागो! भागो! जल्दी भागो!’

लोमड़ी भी भागने लगी। आगे जाकर उन्हें एक भालू मिला। भालू बोला- ‘ठहरो, ठहरो! कहाँ भागे जा रहे हो?’

खरगोश और लोमड़ी बोले - ‘भागो! तुम भी भागो। आसमान गिर रहा है।’



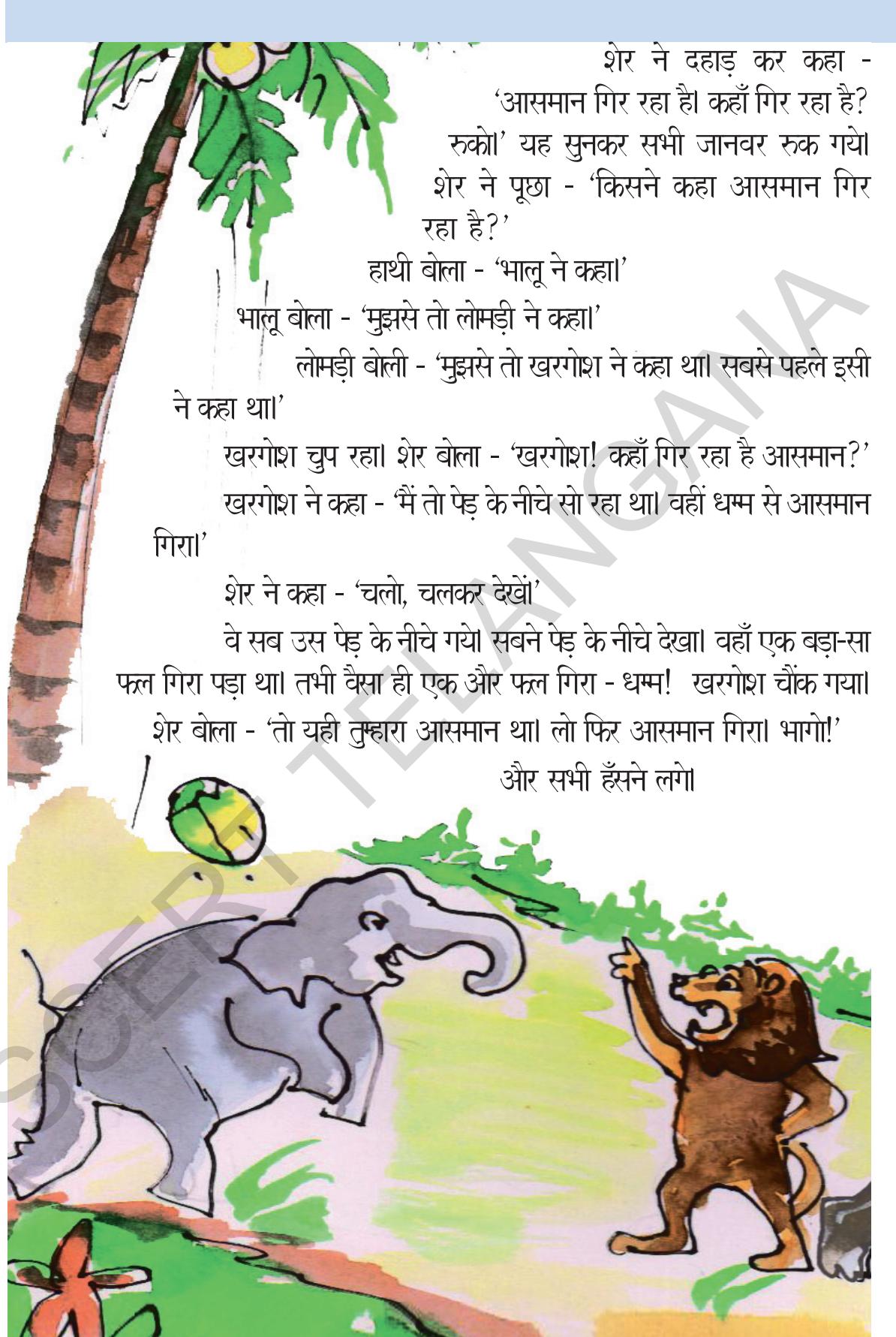
भालू भी उनके साथ भागने लगा। खरगोश, लोमड़ी और भालू भागते-भागते एक हाथी के पास से निकले। हाथी - ‘अरे! सब क्यों भागे जा रहे हो? ठहरो कुछ बताओ तो।’

भालू बोला - ‘आसमान गिर रहा है, तुम भी भागो।’ हाथी भी भागने लगा। सब भाग रहे थे - आगे-आगे खरगोश, उसके पीछे-पीछे लोमड़ी, उसके पीछे भालू और सबके पीछे हाथी।

भागते-भागते उन्हें शेर मिला। उसने पूछा - ‘तुम सब क्यों भागे जा रहे हो?’

हाथी बोला - ‘आसमान गिर रहा है। तुम भी भागो।’





शेर ने दहाड़ कर कहा -
‘आसमान गिर रहा है। कहाँ गिर रहा है?
रुको’ यह सुनकर सभी जानवर रुक गये।
शेर ने पूछा - ‘किसने कहा आसमान गिर
रहा है?’

हाथी बोला - ‘भालू ने कहा।’

भालू बोला - ‘मुझसे तो लोमड़ी ने कहा।’

लोमड़ी बोली - ‘मुझसे तो खरगोश ने कहा था। सबसे पहले इसी
ने कहा था।’

खरगोश चुप रहा। शेर बोला - ‘खरगोश! कहाँ गिर रहा है आसमान?’

खरगोश ने कहा - ‘मैं तो पेढ़ के नीचे सो रहा था। वहीं धम्म से आसमान
गिरा।’

शेर ने कहा - ‘चलो, चलकर देखो।’

वे सब उस पेढ़ के नीचे गये। सबने पेढ़ के नीचे देखा। वहाँ एक बड़ा-सा
फल गिरा पड़ा था। तभी वैसा ही एक और फल गिरा - धम्म! खरगोश चौंक गया।

शेर बोला - ‘तो यही तुम्हारा आसमान था। लो फिर आसमान गिरा। भागो।’

और सभी हँसने लगे।



सुनो-बोलो

1. भागते समय खरगोश ने क्या सोचा होगा?
2. सब क्यों हँस पड़े?



पढ़ो

इन वाक्यों को पाठ के आधार पर क्रम (1..., 5) दीजिए।

- खरगोश डरकर भागने लगा। ()
- शेर ने पूछा - 'किसने कहा, आसमान गिर रहा है?' ()
- भागते-भागते खरगोश को एक लोमड़ी मिली। ()
- खरगोश वृक्ष के नीचे सो रहा था। (1)
- तभी वैसा ही एक और फल गिरा। ()



लिखो

- (अ) खरगोश के पीछे कौन-कौन भाग रहे थे? क्यों?

.....

.....

.....





शब्द भंडार

(अ) तालिका में नीचे गिरने पर आवाज़ आने वाली और आवाज़ नहीं आने वाली चीजों के उदाहरण लिखिए।

| आवाज़ आती है। | आवाज़ नहीं आती है। |
|---------------|--------------------|
| नारियल | रुई |
| | |
| | |
| | |
| | |

(आ) नीचे दी गयी वर्ग-पहेली से जानवरों के नाम चुनकर लिखिए।

| ख | र | गो | श | हा |
|----|----|----|-----|----|
| प | भा | न | क्ष | थी |
| शे | ग | लू | बा | ची |
| र | धा | हि | र | ण |
| ची | ता | प | व | ल |

उदाः- खरगोश

.....
.....
.....
.....
.....
.....

भाषा की बात

पाठ में खरगोश, लोमड़ी, भालू, हाथी, शेर आदि जानवरों के नाम आये हैं। ऐसे नाम वाले शब्द जो किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान आदि के बारे में बतलाते हैं, उन्हें संज्ञा कहते हैं।

नीचे कुछ उदाहरण दिये गये हैं। उन्हें ध्यान से देखो।

- रमेश कलम से लिखता है।
- लड़के मैदान में खेलते हैं।
- सुनीता पढ़ाई में आगे है।
- ग्वाला दूध लाता है।
- पाठशाला में सभा चल रही है।





सुजनात्मक अभिव्यक्ति

अपने मनपसंद प्राणी का चित्र बनाकर उसके बारे में दो वाक्य लिखिए।

| |
|--|
| |
|--|



क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?

हाँ (✓)

नहीं (✗)

1. मैं पाठ के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ।

2. मैं पाठ का सारांश अपने शब्दों में बता सकता/सकती हूँ।

3. मैं पाठ के शब्दों से वाक्य बना सकता /सकती हूँ।



विचार-विमर्श

हम भी कभी-कभी बिना सोचे, बिना जाँचे-परखे, किसी की बात सच मान लेते हैं। ऐसा करने से क्या नुकसान हो सकता है?





बादल

पढ़ो-आनंद लो

एक लड़का था। उसका नाम भरत था। वह नयी-नयी बातें जानना चाहता था। एक दिन वह पाठशाला से आ रहा था। आसमान में बादल छाये हुए थे। घर अभी कुछ दूर था। इतने में बड़ी-बड़ी बूँदें गिरने लगीं। भरत भागता हुआ घर पहुँचा। फिर भी वह भीग गया था।

भरत को देखते ही पिताजी बोले- “जाओ, कपड़े बदल लो, नहीं तो सर्दी लग जाएगी।”

कपड़े बदलते ही भरत सोचने लगा- आसमान में पानी कहाँ से आता है? बादल आने पर ही वर्षा क्यों होती है? उसने सोचा, पिताजी से पूछना चाहिए। वह कपड़े बदलकर पिताजी के पास गया।

भरत ने पूछा- “पिताजी! वर्षा का पानी कहाँ से आता है?”

“बादलों से!” पिताजी ने बताया।

भरत ने फिर पूछा- “लेकिन बादलों में इतना पानी कहाँ से आता है?”

पिताजी ने समझाते हुए कहा- “बेटा, तालाबों, नदियों और समुद्रों में पानी होता है। सूर्य की तेज़ गर्मी से यही पानी भाप में बदल जाता है। फिर भाप आसमान में जाकर बादल बन जाती है।”

भरत ने प्रश्न किया- “पिताजी! भाप, बादल कैसे बन जाती है?”

पिताजी ने उत्तर दिया- “भाप हल्की होती है। हल्की होने के कारण यह ऊपर उठती है। ऊपर होती है ठंड! ठंड से ही भाप फिर से पानी की बहुत ही नन्हीं-नन्हीं बूँदों का रूप ले लेती है। बादल ऐसी ही नन्हीं-नन्हीं बूँदों का समूह है।”

पिताजी भरत को रसोईधर में ले गये। वहाँ माँ चाय बना रही थीं। चूल्हे पर केतली रखी थीं। केतली के मुँह से भाप ऊपर की ओर उठ रही थी। पिताजी ने ठंडे पानी से भरा एक गिलास उठाया। इस गिलास को वे भाप के पास ले आये। कुछ देर गिलास को वहाँ पकड़े खड़े रहे।

भरत ने देखा कि गिलास पर से पानी की बूँदें टपक रही हैं। भरत सब कुछ समझ गया। वह बहुत खुश हुआ।

6. छुट्टी पत्र



प्रश्न :

1. चित्र में क्या-क्या दिखायी दे रहे हैं?
2. पत्र क्यों लिखा जाता है?
3. लड़का चिट्ठी लेते हुए डाकिये से क्या बात कर रहा होगा?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. यह पाठ पढ़िए। समझ में न आने वाले शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. समझ में न आने वाले शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. समझ में न आने वाले शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

तांडूर,

दिनांक : 13-08-2012

सेवा में,
प्रधानाध्यापक जी,
सरकारी माध्यमिक पाठशाला,
तांडूर।

महोदय,

मेरी दीदी का विवाह हैदराबाद में होने वाला है। सब शादी में जा रहे हैं। मैं भी जाना चाहती हूँ। इस कारण मुझे दिनांक 14-08-2012 से 16-08-2012 तक तीन दिन की छुट्टी देने की कृपा करें।

धन्यवाद।

आपकी आज्ञाकारी छात्रा,

मेधा,

क्रमांक : 17,

कक्षा : सातवीं





सुनो-बोलो

1. मेधा अपनी दीदी की शादी में क्यों जाना चाहती है?
2. शादी में क्या-क्या कार्यक्रम होते हैं? बताइए।



पढ़ो

(अ) निम्न वाक्यों को पढ़कर क्रम में लगाइए।

- धन्यवाद।
- मैं भी जाना चाहती हूँ।
- मेरी दीदी का विवाह हैदराबाद में होने वाला है।
- इस कारण मुझे दिनांक 14-08-2012 से 16-08-2012 तक तीन दिन की छुट्टी देने की कृपा करें।



लिखो

(अ) शब्दों को पत्र के आधार पर उचित स्थान पर लिखिए।

दिनांक, सेवा में, स्थान, आपकी आज्ञाकारी, धन्यवाद, महोदय, विषय, पता





शब्द भंडार

(अ) पढ़िए, समझिए और लिखिए।

| | | |
|---------|---------|--------------|
| पूज्य | सहेली | पूज्य पिताजी |
| श्रीमान | पिताजी | |
| प्रिय | अध्यापक | |

(आ) परिवार के सदस्यों के नामों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

जैसे :- माता-पिता का नाम

1. -
2. -
3. -
4. -

(इ) सही संख्याएँ रिक्त स्थान में लिखिए।

(12, 60, 7, 24)

- वर्ष में महीने होते हैं।
- सप्ताह में दिन होते हैं।
- दिन में घंटे होते हैं।
- एक घंटे में मिनट होते हैं।



सृजनात्मक अभिव्यक्ति

यदि मेधा दीदी के विवाह की घटनाएँ डायरी में लिखती, तो क्या लिखती? सोच कर लिखिए।



क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?

हाँ (✓) नहीं (✗)

- | | |
|---|--|
| <ol style="list-style-type: none"> 1. मैं पाठ के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ। 2. मैं पत्र रचना के बारे में अपने शब्दों में बता सकता/सकती हूँ। 3. मैं छुट्टी पत्र लिख सकता/सकती हूँ। | |
|---|--|

हमें हर दिन कुछ नया सीखना चाहिए।



नन्हा मुन्ना राही हूँ...

-शकील बदायुनी

पढ़ो-आनंद लो

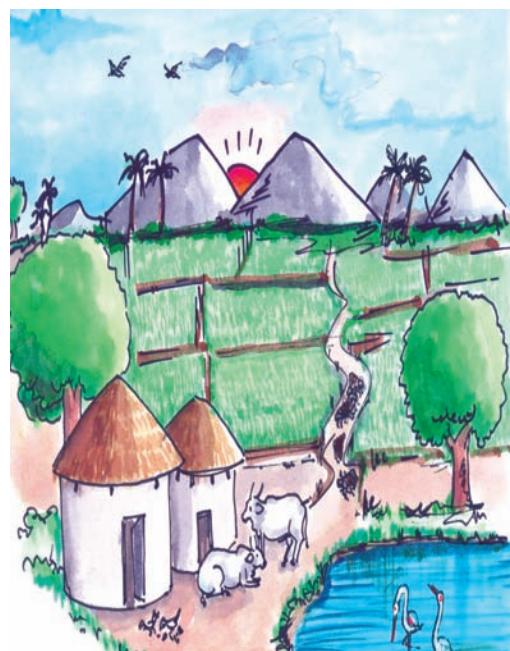


बड़ा हो के देश का सहारा बनूँगा,
दुनिया की आँखों का तारा बनूँगा,
रखूँगा ऊँचा तिरंगा परचम,
आगे ही आगे बढ़ाऊँगा कदम,
दाहिने बायें दाहिने बायें थम! ||नन्हा...||

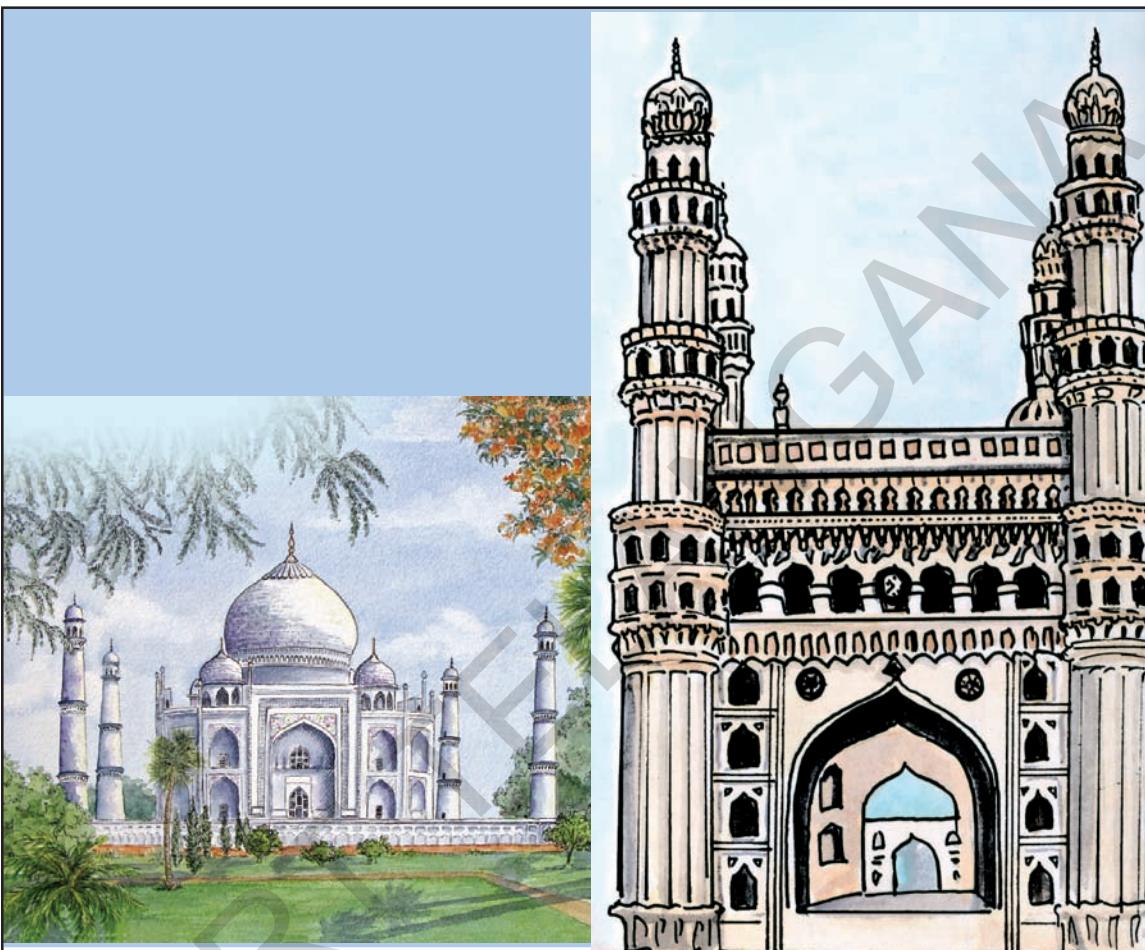
शांति की नगरी है मेरा ये वतन,
सबको सिखाऊँगा मैं प्यार का चलन,
दुनिया में गिरने न ढूँगा कहीं बम,
आगे ही आगे बढ़ाऊँगा कदम,
दाहिने बायें, दाहिने बायें, थम! ||नन्हा...||

नन्हा मुन्ना राही हूँ देश का सिपाही हूँ
बोलो मेरे संग
जयहिंद, जयहिंद, जयहिंद,
जयहिंद, जयहिंद।
रास्ते पे चलूँगा न डर-डर के
चाहे मुझे जीना पड़े मर-मर के,
मंजिल से पहले न लूँगा कहीं दम,
आगे ही आगे बढ़ाऊँगा कदम,
दाहिने बायें दाहिने बायें थम! ||नन्हा...||

धूप में पसीना मैं बहाऊँगा जहाँ,
हरे-भरे खेत लहरायेंगे वहाँ,
धरती पे फाके न पायेंगे जनम,
आगे ही आगे बढ़ायेंगे कदम,
दाहिने बायें दाहिने बायें थम! ||नन्हा...||



सोचो-बोलो

**प्रश्न :**

1. यह किसका चित्र है?
2. यह सफेद रंग में क्यों दिखाई देता है?
3. इसकी सुंदरता के बारे में दो वाक्य बोलिए।

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. यह कविता पढ़िए। समझ में न आने वाले शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. समझ में न आने वाले शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. समझ में न आने वाले शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

एक शहर किया आबाद,

जो कहलाया हैदराबाद।

कुली के सपनों का नगर,

सुंदर यहाँ की हर डगरा।

आसमान को छूती मीनारें,

मिट्टी की मज़बूत दीवारें।

इसकी नक्काशी बेमिसाल,

इसकी उम्र चार सौ साल।

जिसने चारमीनार बनवाया,

मानवता का पाठ पढ़ाया।

इसके मीनार चार हैं भाई,

हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई।





सुनो-बोलो

1. हैदराबाद के बारे में बताइए।
2. चारमीनार के बारे में आप क्या जानते हैं?



पढ़ो

- (अ) नीचे दी गयी पंक्तियाँ पढ़िए। उनसे जुड़ी कविता की पंक्तियाँ सुनाइए।
- कुली कुतुबशाह ने चारमीनार का निर्माण करवाया। सबको मानवता का पाठ पढ़ाया।
 - चारमीनार की मीनारें बहुत ऊँची हैं, इसकी दीवारें मिट्टी से बनी हैं और बहुत मज़बूत हैं।
 - चारमीनार के निर्माण के चार सौ वर्ष हो चुके हैं, किंतु आज भी ऐसी सुंदर नक्काशी कहीं और नहीं मिलती।



लिखो

- (अ) चारमीनार के बारे में पाँच वाक्य लिखिए।
-
-
-
-
-

(आ) प्राचीन काल में राजाओं ने कई ऐतिहासिक इमारतों का निर्माण किया। कुछ इमारतों और राजाओं के नाम लिखिए।

इमारत

उदाहरण :- ताजमहल

राजा

शाहजहाँ

1. -----

2. -----

3. -----

4. -----



शब्द भंडार

(अ) निर्देश के अनुसार लिखिए।

- एक नया शहर आबाद किया। (रखांकित शब्द का विलोम लिखकर वाक्य फिर से लिखिए।)

.....

- इसकी चार मीनारें हैं। (रखांकित शब्द के स्थान पर 'एक' लिखकर वाक्य फिर से लिखिए।)

.....

- आसमान को छूती मीनारें। (रखांकित शब्द का पर्याय लिखकर वाक्य फिर से लिखिए।)

.....



भाषा की बात

(अ) समझिए और पढ़िए।

मीनार - मीनारें

दीवार - दीवारें





सृजनात्मक अभिव्यक्ति

अपने मित्र की प्रशंसा करते हुए पत्र लिखिए।



क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?

हाँ (✓)

नहीं (×)

1. मैं कविता के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ।
 2. मैं कविता का सारांश अपने शब्दों में बता सकता/सकती हूँ।
 3. मैं कविता के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।

ऐतिहासिक इमारतें हमारे देश की धरोहर हैं।

8. हमारे त्यौहार

सोचो-बोलो

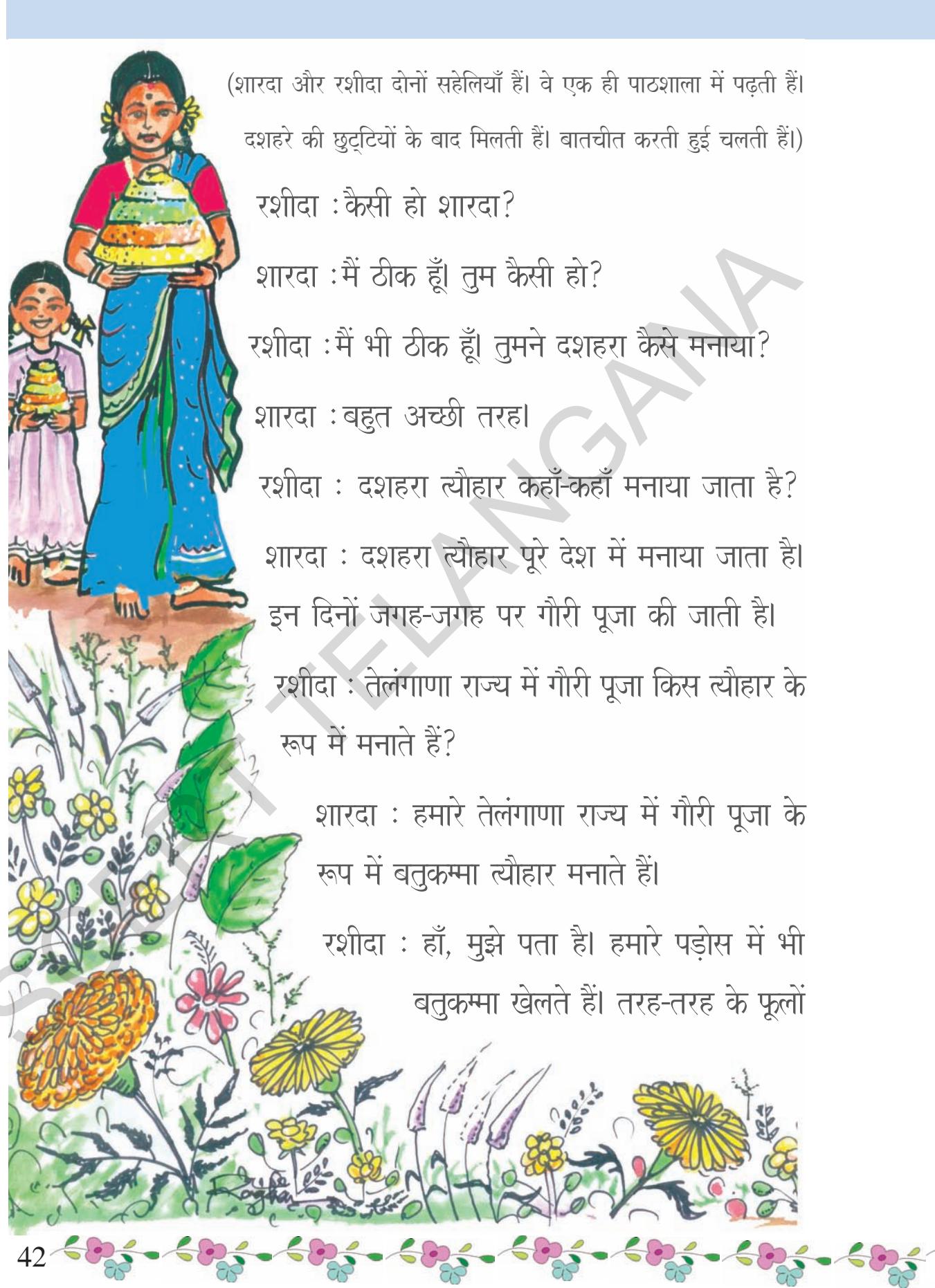


प्रश्न :

1. चित्र में क्या दिखायी दे रहा है?
2. कुछ त्यौहारों के नाम बताइए।
3. स्त्रियाँ क्या गा रही होंगी?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. यह पाठ पढ़िए। समझ में न आने वाले शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. समझ में न आने वाले शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. समझ में न आने वाले शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।



(शारदा और रशीदा दोनों सहेलियाँ हैं। वे एक ही पाठशाला में पढ़ती हैं।

दशहरे की छुट्टियों के बाद मिलती हैं। बातचीत करती हुई चलती हैं।)

रशीदा : कैसी हो शारदा?

शारदा : मैं ठीक हूँ। तुम कैसी हो?

रशीदा : मैं भी ठीक हूँ। तुमने दशहरा कैसे मनाया?

शारदा : बहुत अच्छी तरह।

रशीदा : दशहरा त्यौहार कहाँ-कहाँ मनाया जाता है?

शारदा : दशहरा त्यौहार पूरे देश में मनाया जाता है।

इन दिनों जगह-जगह पर गौरी पूजा की जाती है।

रशीदा : तेलंगाणा राज्य में गौरी पूजा किस त्यौहार के रूप में मनाते हैं?

शारदा : हमारे तेलंगाणा राज्य में गौरी पूजा के रूप में बतुकम्मा त्यौहार मनाते हैं।

रशीदा : हाँ, मुझे पता है। हमारे पड़ोस में भी बतुकम्मा खेलते हैं। तरह-तरह के फूलों

से सजी बतुकम्मा सुंदर लगती है।

शारदा : सही कहा तुमने। महिलाएँ और लड़कियाँ सामूहिक रूप से गीत गाती हुई बतुकम्मा के चारों ओर घूमती हैं। बतुकम्मा को गौरी माँ का रूप मानती हैं।

रशीदा : एक बार बतुकम्मा की दो पंक्तियाँ गाकर सुनाओ न!

शारदा : हाँ-हाँ क्यों नहीं ! लो सुनो-

बतुकम्मा बतुकम्मा उय्यालो, बंगारु गौरम्मा उय्यालो।

मा ऊरु कोच्चिंदी उय्यालो, मा इंटिकोच्चिंदी उय्यालो॥

रशीदा : वाह! बहुत अच्छा गीत है।

शारदा : बतुकम्मा जैसे लोक उत्सव देश की शोभा बढ़ाते हैं।

रशीदा : हाँ शारदा... तुम ठीक कहती हो।
अच्छा मैं चलती हूँ।





सुनो-बोलो

- त्यौहार क्यों मनाते हैं? आपको अन्य धर्मों के कौन-कौन से त्यौहार पसंद हैं?
- महिलाओं व लड़कियों द्वारा मनाये जाने वाले कुछ विशेष त्यौहारों के नाम बताइए।



पढ़ो

(अ) किसने कहा-

- वाह! बहुत अच्छा गीत है!
- हाँ-हाँ क्यों नहीं! लो सुनो-
- हमारे पड़ोस में बतुकम्मा खेलते हैं।



लिखो

- बतुकम्मा उत्सव कैसे मनाया जाता है?

.....
.....
.....

- आपके घर में कौनसा उत्सव धूम-धाम से मनाया जाता है? उसमें आप क्या करते हैं? लिखिए।

.....
.....
.....





शब्द भंडार

(अ) वर्ग पहली में से त्यौहारों के नाम चुनकर लिखिए।

| | | | | |
|----|-------|----|----|----|
| दी | पा | व | ली | र |
| प | रा | न | ग | म |
| हो | क्रि | च | त | जा |
| ली | ओ | स | प | न |
| गा | त | ण | म | ल |
| सं | क्रां | ति | म | स |

.....
.....
.....
.....



भाषा की बात

(अ) नीचे दिये गये वाक्य और चित्र ध्यान से देखिए।



मैं खेलता हूँ।

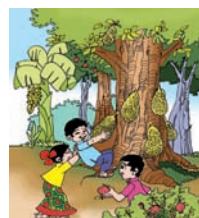


हम खेलते हैं।



यह खेलता है।

ये खेलते हैं।



वह खेलता है।



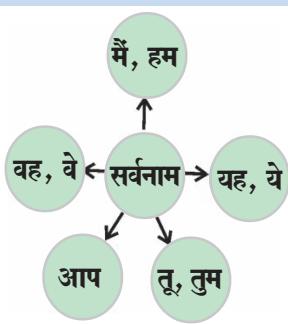
वे खेलते हैं।



ऊपर दिये गये वाक्यों में रेखांकित शब्द सर्वनाम कहलाते हैं।

सर्वनाम :- संज्ञा के स्थान पर आनेवाले शब्दों को 'सर्वनाम' कहते हैं। जैसे :- मैं, तू, तुम, आप, यह, वह, ये, वे, हम आदि।





सृजनात्मक अभिव्यक्ति

अपने मनपसंद किसी त्यौहार की शुभकामनाएँ देते हुए छोटा सा (SMS)बनाइए।



परियोजना कार्य

लोक उत्सव गीत इकट्ठा कीजिए चार्ट पर चिपकाइए। कक्षा में सुनाइए।

जैसे : बतुकम्मा बतुकम्मा उय्यालो, बंगारु गौरम्मा उय्यालो।

मा ऊरु कोच्चिंदी उय्यालो, मा इंटिकोच्चिंदी उय्यालो॥



| क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ? | हाँ (✓) | नहीं (✗) |
|---|-----------|------------|
| 1. मैं पाठ के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ। | | |
| 2. मैं पाठ का सारांश अपने शब्दों में बता सकता/सकती हूँ। | | |
| 3. मैं पाठ के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ। | | |

त्यौहार से मेलजोल की भावना बढ़ती है।



पढ़ो-आनंद लो

स्वच्छता और स्वास्थ्य

पाठशाला का समय हुआ। टन-टन टन-टन घंटी बजी। सभी बच्चे मैदान में जमा हुए। प्रार्थना हुई। प्रार्थना के बाद प्रधानाध्यापक ने स्वास्थ्य रक्षा कार्यक्रम की जानकारी दी। सभी छात्रों को भाग लेने के लिए कहा।

सभी बच्चे अपनी-अपनी कक्षाओं की साफ़-सफाई में लग गये। साथ-साथ कक्षा की सजावट भी करने लगे। देखते-देखते पाठशाला का वातावरण ही बदल गया। वहाँ का सारा वातावरण स्वच्छ हो उठा।

दोपहर के भोजन के बाद स्वास्थ्य रक्षा कार्यक्रम आरंभ हुआ। इसमें प्रधानाध्यापक, सभी अध्यापक, जिला स्वास्थ्य अधिकारी, सरपंच के अलावा छात्र व उनके माता-पिता भी आये थे।

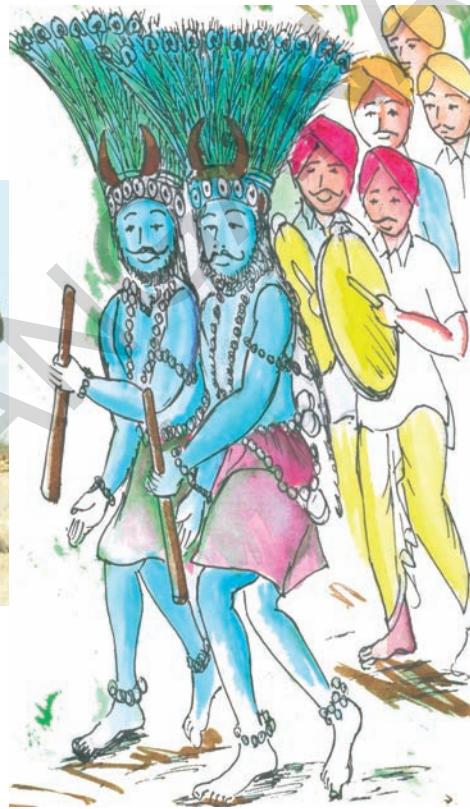
कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। जिला स्वास्थ्य अधिकारी स्वास्थ्य रक्षा के बारे में बताने लगे- “स्वस्थ रहने के लिए स्वच्छ रहना ज़रूरी है, स्वच्छ रहना माने...हर दिन स्नान करना चाहिए। साफ़ कपड़े पहनने चाहिए। नाखून बढ़ने पर उन्हें काटना चाहिए। सिर पर तेल लगाकर कंघी करनी चाहिए। भोजन से पहले हाथ धोने चाहिए। नल-कूपों के पास भी सफाई रखनी चाहिए।”

इसके बाद प्रधानाध्यापक ने शरीर की स्वच्छता के बारे में बताया। सरपंच जी ने अपने भाषण में अड़ोस-पड़ोस की सफाई का महत्व समझाया। जब कार्यक्रम समाप्त हुआ तो बच्चों ने ज़ोरदार तालियाँ बजायीं।



9. गुसाडी

सोचो-बोलो

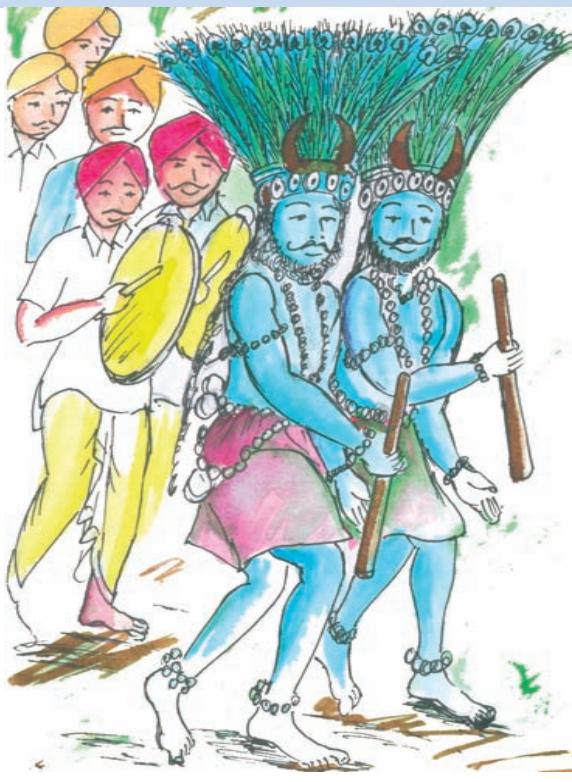


प्रश्न :

1. चित्र में क्या दिखायी दे रहा है?
2. कुछ प्रसिद्ध लोकनृत्यों के नाम बताइए।
3. नाचती हुई इन महिलाओं के मन में कौनसी भावना होगी?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. यह पाठ पढ़िए। समझ में न आने वाले शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. समझ में न आने वाले शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. समझ में न आने वाले शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।



मेरा नाम जंगु है। मैं आदिलाबाद के गोंड जनजाति का युवक हूँ। मैं गोंडी भाषा में बात करता हूँ। यह भाषा बहुत ही मीठी होती है।

हमारी भी एक विशेष संस्कृति है। गुसाडी हमारी संस्कृति का प्रमुख नृत्य है। नाचते समय हमारी विशेष वेश-भूषा होती है। हम विविध उत्सवों पर नृत्य करते हैं। 'जंगुदाई' हमारी देवी हैं। हम इनकी विशेष पूजा करते हैं।

हमारा मानना है कि वे हमें संकटों से बचाती हैं। हम मोर के पंखों से बनी पगड़ी पहनते हैं। मुझे अपनी संस्कृति बहुत पसंद है।

पुरुष ढोल बजाते हैं, तो स्त्रियाँ गाना गाती हैं। हमारे गीत की प्रसिद्ध पंक्ति- “रेला रेला ” है। जैसा हम गाते हैं, वैसा ही नृत्य भी करते हैं।

हम जंगल में रहते हैं। यहाँ से शहर बहुत दूर है। हम तक पहुँचने के लिए सड़कों व बसों की सुविधाएँ बहुत कम हैं। अब सरकार सुविधाएँ देने का प्रयास कर रही है।





सुनो-बोलो

1. शहर दूर होने के कारण गोंड जनजाति के लोगों को क्या-क्या कठिनाइयाँ होती हैं?
2. कुछ लोकनृत्यों के बारे में बताइए? जैसे :- कोलाटम, डांडिया आदि।



पढ़ो

(अ) वाक्यों का क्रम सही कीजिए।

- बहुत मीठी है होती भाषा यह।

.....
- संस्कृति प्रमुख है नृत्य गुसाडी का हमारी।

.....
- बजाते हैं ढोल पुरुष।

.....
- दूर हैं होते शहर बहुत।



लिखो

(अ) गुसाडी नृत्य के बारे में आप क्या जानते हैं?





शब्द भंडार

(अ) जोड़िए और नये वाक्य लिखिए।

दिवाली

रंग खेलते हैं।



.....

ईद

दीप जलाते हैं।



.....

क्रिसमस

इदगाह जाते हैं।



.....

होली

झँडा फहराते हैं।



.....

स्वतंत्रता दिवस

सैंटा आते हैं।



.....

(आ) वाद्य यंत्रों के नाम लिखिए।

तबला

ढोल

बाँसुरी

वायोलिन

वीणा



.....

.....

.....



.....

.....



(इ) वर्गपहेली में से पाठ में आये शब्दों को ढूँढकर लिखिए।

| | | | | |
|----|----|----|-----|----|
| ज | गु | सा | डी | ल |
| न | वे | नृ | त्य | प |
| जा | जं | श | गों | डी |
| ति | गु | ता | भू | ला |
| कु | यु | व | क | षा |

नृत्य

.....
.....
.....
.....

भाषा की बात

(अ) नीचे दिये गये वाक्य ध्यान से देखिए।

- मैं गुसाडी नृत्य करता हूँ।
- मैं पर्व मनाता हूँ।
- मैं पुस्तक पढ़ता हूँ।
- मैं पानी पीता हूँ।
- मैं खाना खाता हूँ।

जैसे :- हम गुसाडी नृत्य करते हैं।

.....
.....
.....
.....

ऊपर दिये गये वाक्यों के आधार पर ‘हम’ शब्द का उपयोग करते हुए कुछ वाक्य बनाइए।



सृजनात्मक अभिव्यक्ति

मोर के पंख का चित्र उतार कर दो वाक्य लिखिए।



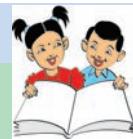
क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?

हाँ (✓)

नहीं (✗)

1. मैं पाठ के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ।
2. मैं पाठ का सारांश अपने शब्दों में बता सकता/सकती हूँ।
3. मैं पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिख सकता/सकती हूँ।
4. मैं पाठ के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।





ઘારી બિટિયા

પઢો-આનંદ લો

લડુકી : બૂઢે બાબા ક્યોં બૈઠે હો, અપને ઘર જાઓ।

રત અંધેરી સરદી ભરી, યહોં બૈઠે ક્યા પાઓ॥

બૂઢા : દેખો બેટી, મૈં હું બૂઢા, ચલા નહીં અબ જાતા।

આઁખોં સે ભી કમ દિખતા હૈ, ફિર બુખાર ભી આતા॥

લડુકી : કહો તુમ્હારા ઘર હૈ બાબા, બોલો, કિસે બુલાજું?

યહોં ઠહરના ઠીક નહીં હૈ, આઓ રાહ દિખાજું॥

બૂઢા : બડી ભલી હો બિટિયા રાની, પકડો મેરા હાથ।

ધીરે-ધીરે ચલા ચલુંગા, મૈં અબ તેરે સાથ॥

લડુકી : દૂર તુમ્હારા ઘર હૈ બાબા, ચલે ચલો ઘર મેરો।

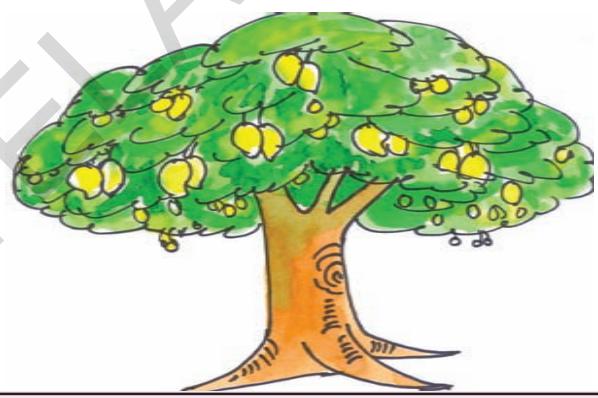
આજ રાત કો યહીં રહો, તુમ જાના સુબહ સવેરો॥

બૂઢા : સુખી રહો તુમ ઘારી બિટિયા, તુમને મુઝે બચાયા।

રત અંધેરી સરદી ભરી, કાંપ રહી થી કાયા॥



सोचो-बोलो



प्रश्न :

1. चित्र में क्या-क्या दिखायी दे रहा है?
2. दोनों पेड़ों में क्या अंतर है?
3. इन दोनों पेड़ों में से कौन-सा पेड़ अधिक उपयोगी है? क्यों?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. यह कविता पढ़िए। समझ में न आने वाले शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. समझ में न आने वाले शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. समझ में न आने वाले शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।





कबीर संत कवि हैं। वे समाज सुधारक भी थे। उनके दोहे 'बीजक' में हैं। इनकी भाषा 'सधुक्कड़ी' है। इनके दोहों में मानवता की भावना है।

काल करै सो आज कर, आज करै सो अबा
पल में परलै होयगो, बहुरी करैगो कब॥

बड़ा हुआ तो क्या हुआ, जैसे पेड़ खजूरा
पंथी को छाया नहीं, फल लागै अति दूर॥



सुनो-बोलो

1. आपको दोहे कैसे लगे? कोई एक दोहा गाकर सुनाइए।
2. हमारे समाज में क्या-क्या समस्याएँ हैं?



पढ़ो

(अ) कविता पढ़िए और निम्नलिखित भाव किन पंक्तियों में आये हैं? उन पंक्तियों को लिखिए।

- कवीर ने समय से पूर्व काम करने की बात की है।

- बड़ा होने से कुछ नहीं होता। काम बड़े होने चाहिए।



लिखो

(अ) नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. छाया देने वाले पेड़ों के नाम लिखिए।



2. हमें अपने साथियों के साथ आपस में कैसा व्यवहार करना चाहिए?

.....

(आ) आप अपना काम समय पर करते हैं। नीचे दिये समय पर आप क्या-क्या काम करते हैं?

सुबह सात बजे :

सुवह नौ बजे :

दोपहर एक बजे :

शाम चार बजे :

रात नौ बजे :



शब्द भंडार

(अ) शीतल का अर्थ है- ठंडा। दो ठंडी चीजों के नाम लिखिए।

जैसे : बर्फ

.....

विचार-विमर्श

हम अपना शरीर नहीं बनाते हैं। पेड़-पक्षी भी प्रकृति की रचना हैं इसीलिए हमें अपने रंग-रूप पर न तो शर्म आनी चाहिए और न ही गर्व करना चाहिए हम अपने व्यवहार पर गर्व और शर्म महसूस कर सकते हैं।



भाषा की बात

(अ) पढ़िए। अर्थ समझिए।

पल - क्षण

परलै - प्रलय

नीर - पानी

आपा - अहंकार



सृजनात्मक अभिव्यवित

(अ) अपना मनपसंद कोई एक नीति वाक्य लिखिए।

.....

.....

.....



क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?

हाँ (✓)

नहीं (✗)

1. मैं दोहों के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ।

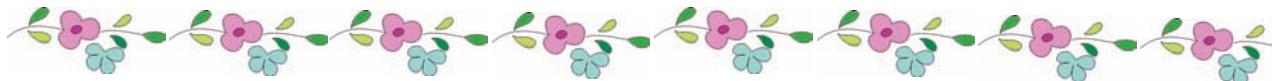
2. मैं दोहों का सारांश अपने शब्दों में बता सकता/सकती हूँ।

3. मैं दोहों के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।

समय का बड़ा महत्व है। - महात्मा गांधी

विचार-विमर्श

- जब कोई आपके व्यवहार या कौशल की प्रशंसा करता है तब आपको कैसा लगता है?
- जब कोई आपको चिढ़ाता है या नीचा दिखाता है तब आपको कैसा लगता है?
- चिढ़ाने वाले का चरित्र कैसा है? चिढ़ाने वाले व्यक्ति से आप बिना लड़-झगड़े कैसे निपट सकते हैं?



11. साहसी सुनीता

सोचो-बोलो



प्रश्न :

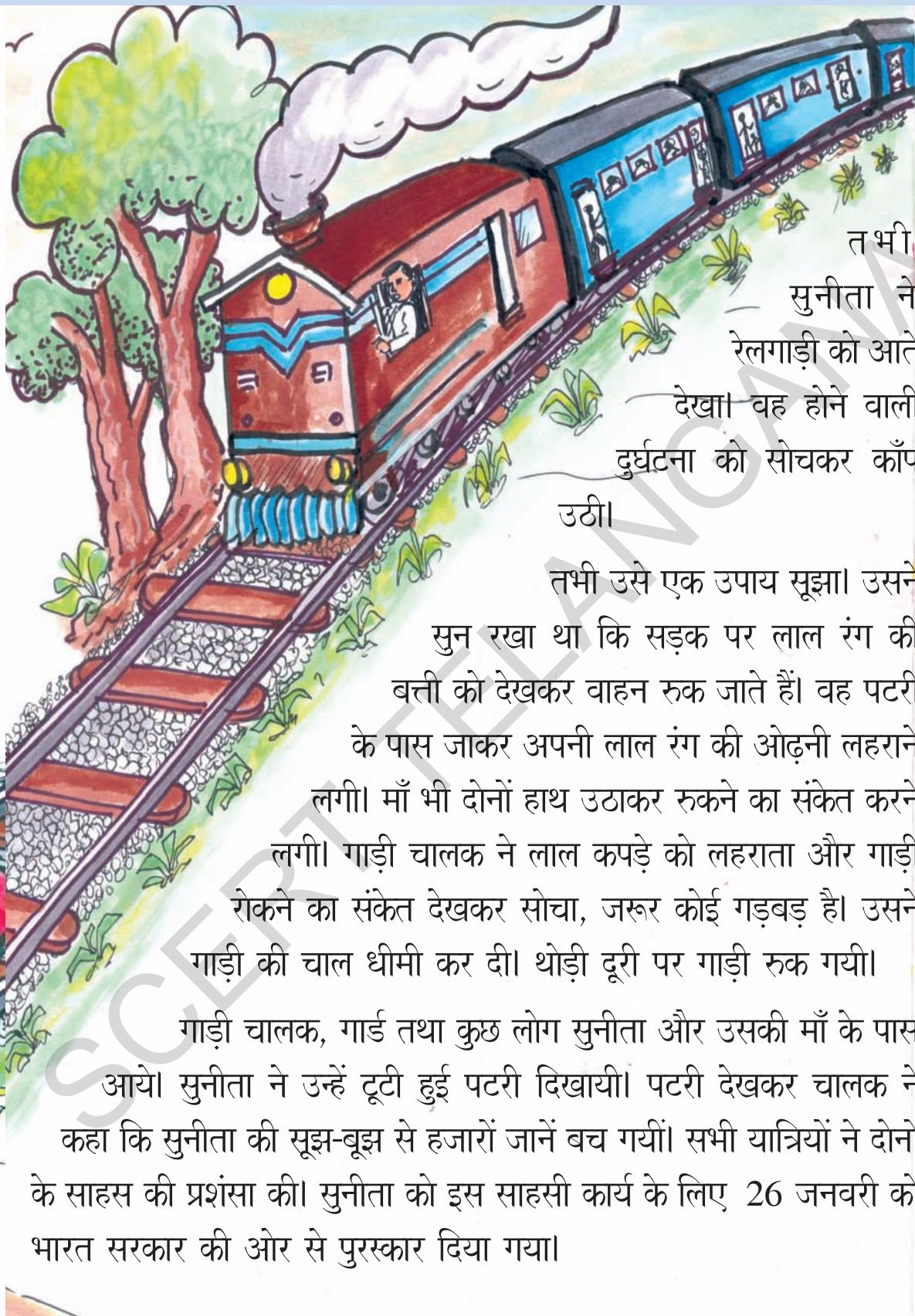
1. चित्र में क्या दिखायी दे रहा है?
2. लड़की क्या सोच रही होगी?
3. साहस किसने किया? कैसे?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. यह पाठ पढ़िए। समझ में न आने वाले शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. समझ में न आने वाले शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. समझ में न आने वाले शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

सुनीता घास लेकर घर जा रही थी। उसके साथ माँ भी थी। रास्ते में रेल की पटरी थी। वहाँ से रेलगाड़ी के निकलने का समय हो गया था। सुनीता और उसकी माँ पटरी के पास रुक गयीं। तभी सुनीता की नज़र रेल की पटरी पर पड़ी, उसे वह पटरी टूटी हुई लगी। सुनीता की माँ पटरी देखकर बोली - “यह पटरी तो टूटी है!” दोनों इधर-उधर देखने लगीं। रेलवे स्टेशन भी वहाँ से दूर था।





तभी
सुनीता ने
रेलगाड़ी को आते
देखा। वह होने वाली
दुर्घटना को सोचकर काँप
उठी।

तभी उसे एक उपाय सूझा। उसने
सुन रखा था कि सड़क पर लाल रंग की
बत्ती को देखकर वाहन रुक जाते हैं। वह पटरी
के पास जाकर अपनी लाल रंग की ओढ़नी लहराने
लगी। माँ भी दोनों हाथ उठाकर रुकने का संकेत करने
लगी। गाड़ी चालक ने लाल कपड़े को लहराता और गाड़ी
रोकने का संकेत देखकर सोचा, जरूर कोई गड़बड़ है। उसने
गाड़ी की चाल धीमी कर दी। थोड़ी दूरी पर गाड़ी रुक गयी।

गाड़ी चालक, गार्ड तथा कुछ लोग सुनीता और उसकी माँ के पास^{आये।} सुनीता ने उन्हें टूटी हुई पटरी दिखायी। पटरी देखकर चालक ने
कहा कि सुनीता की सूझ-बूझ से हजारों जानें बच गयीं। सभी यात्रियों ने दोनों
के साहस की प्रशंसा की। सुनीता को इस साहसी कार्य के लिए 26 जनवरी को
भारत सरकार की ओर से पुरस्कार दिया गया।



सुनो-बोलो

1. सुनीता पटरी के पास क्यों रुक गयी?
2. चालक के लिए लाल और हरा झंडा किसके सूचक हैं?



पढ़ो

(अ) उचित शब्द से सिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।

1. सुनीता घास लेकर जा रही थी। (घर / शहर)
2. स्टेशन वहाँ से दूर था। (बस / रेलवे)
3. वह पटरी के पास जाकर लहराने लगी। (ओढ़नी / झंडा)
4. भारत सरकार ने के दिन सुनीता को पुरस्कार दिया। (15 अगस्त / 26 जनवरी)



लिखो

1. ड्राफिक सिगनल्स (यातायात नियम) के बारे में तुम क्या जानते हो? अपने शब्दों में लिखिए।

.....
.....



शब्द भंडार

रेलवे स्टेशन से जुड़े कुछ शब्द लिखिए।

- 1..... 2..... 3..... 4.....





भाषा की बात

लड़का खेलता है।

माँ भोजन बनाती है।

बालक कहानी पढ़ता है।

वह कविता लिखती है।

ऊपर दिये गये वाक्यों में आना, दौड़ना, लिखना, पढ़ना, बनाना, खाना आदि शब्द संज्ञा या सर्वनाम द्वारा किये गये कार्य को बतलाते हैं। ऐसे शब्दों को क्रिया कहते हैं।



सृजनात्मक अभिव्यक्ति

सुनीता को उसके साहसी कार्य के लिए राष्ट्रपति पुरस्कार दिया गया। उसे बधाई देते हुए दो वाक्य लिखिए।

.....
.....
.....



| क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ? | हाँ (✓) | नहीं (✗) |
|---|-----------|------------|
| 1. मैं पाठ के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ। | | |
| 2. मैं पाठ का सारांश अपने शब्दों में बता सकता/सकती हूँ। | | |
| 3. मैं पाठ के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ। | | |

मन का साहस विश्वास बढ़ता है।

जानिए...

कोई भी बच्चा 'चाइल्ड लाइन 1098' को फ़ोन करके नियम तोड़ने वाले के खिलाफ़ शिकायत दर्ज करा सकता है।



घंटे की आवाज़



पढ़ा-आनंद लो

पुराने जमाने की बात है। एक था नरसापुर नगर। वह चारों ओर से पहाड़ियों और जंगलों से घिरा था। कुछ दिनों से लोग परेशान थे। जंगल से रह-रहकर घंटा बजने की आवाज़ आती।



लोग हैरान होकर एक-दूसरे से पूछते- “भाई, यह आवाज़ कहाँ से आ रही है? हमें तो बहुत डर लग रहा है।”



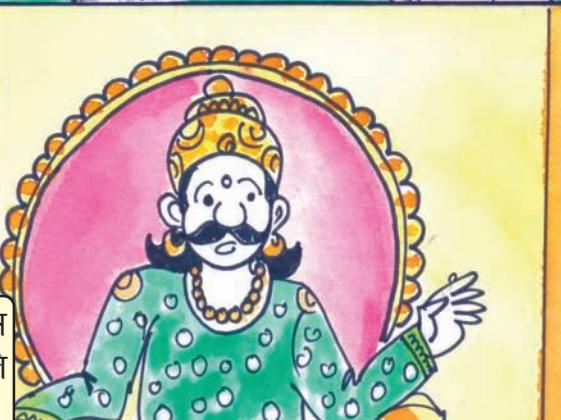
रात होने पर घंटे की आवाज़ और तेज़ हो जाती। लोग नींद छोड़कर रात-रात भर जागने लगे। न जाने यह आवाज़ कहाँ से आ रही है? लगता है कुछ बुरा होने वाला है।



फिर एक मुसाफिर ने कहा- जंगल में एक भ्यानक राक्षस रहता है। वही घंटा बजाता रहता है।



अब लोग और भी डर गये। सब मिलकर राजा के पास गये। लोगों ने कहा- “महाराज, हमें घंटा बजाने वाले राक्षस से बचाइए।”

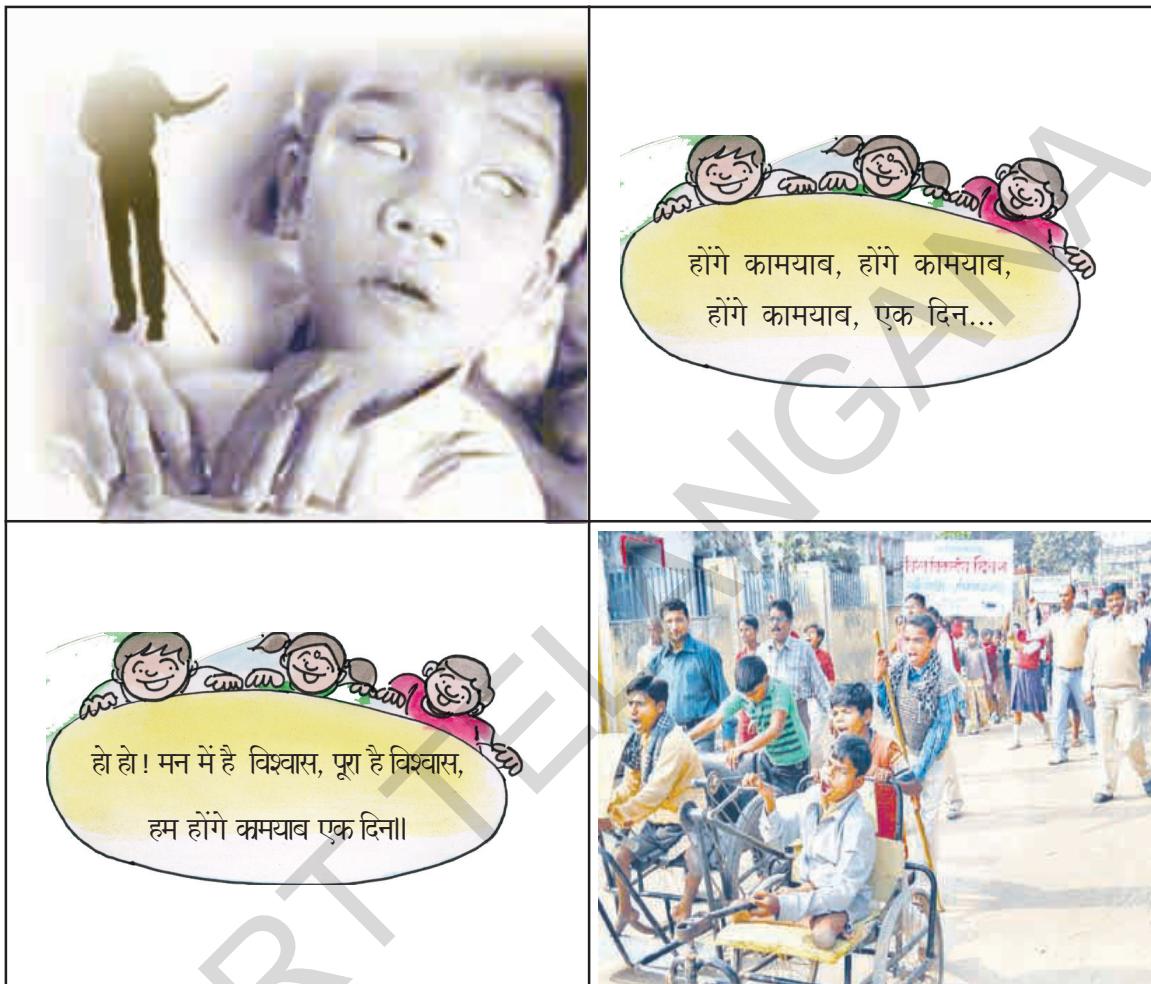


उन्होंने कहा- “जो भी घंटा बजाने वाले राक्षस से मुक्ति दिलाएंगा उसे ढेर सारा इनाम दिया जाएगा।”



12. आत्मविश्वास

सोचो-बोलो



प्रश्न :

1. चित्र में क्या दिखायी दे रहा है?
2. इनके लिए आप क्या करना चाहेंगे?
3. इनकी सहायता करने के लिए खड़ा लड़का क्या कह रहा होगा?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. यह पाठ पढ़िए। समझ में न आने वाले शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. समझ में न आने वाले शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. समझ में न आने वाले शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

रोहित पिछले साल छुट्टियाँ बिताने कश्मीर गया था। लौटते समय एक दुर्घटना में वह सुनने की शक्ति खो बैठा। वह खुद को लाचार महसूस करने लगा। वह उदास रहने लगा।

एक दिन रोहित के पिता ने उसे कुछ किताबें देते हुए समझाया, “तुम सुन नहीं पाते हो तो क्या हुआ, देख तो सकते हो। जीवन में कुछ बनना है, तो खूब पढ़ो।”

एक दिन वह बगीचे में बैठा था। एक चिड़िया आकर पेड़ पर बैठ गई। वह एक रंग-बिरंगी चिड़िया थी। रोहित ने उसे देखा, तब उसके मन में आया कि उस सुंदर चिड़िया का चित्र बनायें। रोहित ने तुरंत ही कॉपी-पेंसिल निकाली और चिड़िया का चित्र बना डाला। उसे वह चित्र बहुत अच्छा लगा। एक दिन वह तश्तरी में रंग मिला रहा था। उसने पिता को दरवाजे पर खड़ा देखा।

रोहित की रुचि को देखकर उसके पिताजी रंग, ब्रश और सफेद कामज़ के बंडल ले आये। यह देखकर रोहित बहुत खुश हुआ।

रोहित ने उसी क्षण तय कर लिया कि वह मेहनत से काम करेगा। वह जानता था कि चित्र बहुत सुंदर है तो देखनेवाले उसे पसंद करते हैं। अब रोहित पूरी मेहनत से चित्रकारी में जुट गया। वह अपने आर्ट स्कूल में कला का अभ्यास तो करता ही था। घर पर अपने कमरे में भी चित्रों और रंगों से खेलता रहता था। उसने सैकड़ों चित्र बना डाले। लोग उसके चित्रों को देखते तो उसकी बड़ी प्रशंसा करते। उसके चित्रों की प्रदर्शनी भी लगने लगी। इसमें देश भर से और विदेश से भी लोग उसके चित्रों को देखने आते थे। वे अच्छी कीमत देकर इन चित्रों को खरीदने भी लगे।

सच है, प्रेरणा और आत्मविश्वास से सफलता मिलती है।



सुनो-बोलो

1. रोहित की तरह आपको किन चीजों में रुचि हैं?
2. आत्मविश्वास के रहने पर हम क्या-क्या कर सकते हैं?



पढ़ो

(अ) उचित शब्द से खिल स्थान की पूर्ति कीजिए।

1. रोहित(पत्रकार / चित्रकार) है।
2. वह (सुनने / बोलने) की शक्ति खो बैठा।
3. एक दिन वह (बस / बगीचे) में बैठा था।
4. लोग उसके चित्रों की बड़ी (बुराई / प्रशंसा) करते थे।

(आ) निम्न लिखित व्यक्तियों को क्या कहते हैं?

जैसे: जो चित्र बनाता है उसे चित्रकार कहते हैं। उसी प्रकार

- जो कविता लिखता है
- जो अभिनय करता है
- जो गाना गाता है



लिखो

रोहित के द्वारा बनाए गए चित्र के बारे में दो वाक्य लिखिए।

.....

.....





शब्द भंडार

रोहित बगीचे में बैठा था। अब बताइए कि घूमने के लिए आप कहाँ-कहाँ जाते हैं?

.....
.....
.....



भाषा की बात

लड़का तेज़ दौड़ता है।

लड़का धीरे-धीरे चलता है।

ऊपर दिये गये वाक्यों में तेज़, धीरे-धीरे आदि शब्द संज्ञा या सर्वनाम द्रवरा किये गये कार्य की विशेषता बताते हैं। ऐसे शब्दों को क्रिया विशेषण कहते हैं।



सृजनात्मक अभिव्यक्ति

अपना मनपसंद चित्र बनाकर उसके बारे में दो-तीन वाक्य लिखिए।

.....
.....
.....



| क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ? | हाँ (✓) | नहीं (✗) |
|---|-----------|------------|
| 1. मैं पाठ के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ। | | |
| 2. मैं पाठ का सारांश अपने शब्दों में बता सकता/सकती हूँ। | | |
| 3. मैं पाठ के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ। | | |

लक्ष्य प्राप्त करने की दृढ़ इच्छा हो तो विकलांगता या अन्य कोई भी परिस्थिति अड़वन नहीं बन सकती।





कंजूस सेठ

पढ़ो-आनंद लो



एक था सेठ। एक दिन उसे नारियल की ज़खरत पड़ गयी।

वह नारियल लेने बाजार पहुँचा। उसने दुकानदार से पूछा- “एक नारियल कितने का ?”

दुकानदार बोला- “दस रुपये का।”

सेठ बोला- “दस रुपये के दो दो दो ना।”

दुकानदार बोला- “आगे मिलेंगा।”

सेठ आगे गया। वहाँ दस रुपये के दो नारियल मिल रहे थे।

सेठ बोला- “दस रुपये के चार दो ना।”

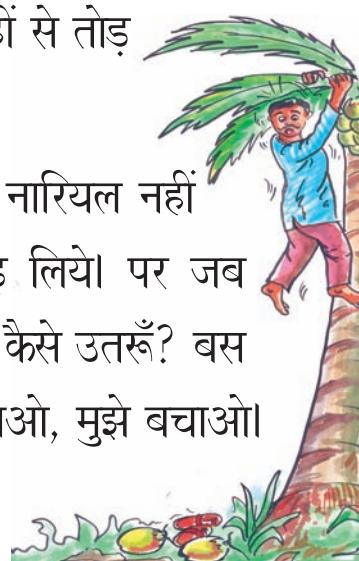
दूसरा दुकानदार बोला- “आगे मिलेंगा।”

सेठ आगे गया। वहाँ दस रुपये के चार नारियल मिल रहे थे।

सेठ बोला- “दस रुपये के आठ दो ना।”

तीसरा दुकानदार बोला- “आगे नारियल के पेड़ हैं। वहाँ से तोड़ लो। कुछ भी नहीं देना पड़ेगा।”

सेठ पेड़ के पास पहुँचा। उसने पेड़ पर से पहले कभी नारियल नहीं तोड़े थे। वह पेड़ चढ़ गया। खूब सारे नारियल तोड़ लिये। पर जब उतरने के लिए सोचा तो डरने लगा। इतने ऊँचे पेड़ से कैसे उतरूँ? बस वह पेड़ पर लटके-लटके ही चिल्लाने लगा- “मुझे बचाओ, मुझे बचाओ। बचाने वाले को दो हज़ार रुपये दूँगा...”



शब्दकोश

| | |
|------------|-----------------------------------|
| अँधेरा | = वीकड़ी, darkness |
| अदरक | = अलू, ginger |
| अचानक | = अक्सेत्रुत्ता, of a sudden |
| अडोस-पडोस | = झरना-झरना, surrounding |
| अभिलाषा | = कोरिक, desire |
| आँख मिचौनी | = डार्गुमुर्मात्तु, hide and seek |
| आबाद | = अधिवृद्धपरम्परा, inhabited |
| आसमान | = अकाश, sky |
| उत्सव | = पंडुग, festival |
| उदास | = निराशा, sad |
| उपहार | = बहुमुति, gift |
| उम्र | = वयस्तु, age |
| कंजूस | = पीनारी, miser |
| ककड़ी | = शैरदोन, cucumber |
| कठिनाई | = कङ्गा, difficulty |
| कीमत | = देल, price |
| कीचड़ | = भूरद, mud |
| खरगोश | = कुंदेल, rabbit |
| खर्च | = व्यय, expenditure |
| घास | = गाढ़ी, grass |
| चंचल | = चंचलम्बून, Fickle agile |
| चूल्हा | = फैल्यू, stove |
| छाया | = नीद, shadow |
| छुट्टी | = नेलवू, holiday |
| ज़रूरत | = अवसरा, need |
| झुंड | = गुंपु, group |
| डगर | = दारी, way |
| तना | = चेत्तु छोद, stem |
| दिशा | = दिक्षु, direction |
| दुर्घटना | = दुर्घटना, accident |
| नक्काशी | = चेक्कुंठ, carving |
| नाखून | = गोळून, nails |

रात में अँधेरा होता है।
 अदरक की चाय अच्छी होती है।
 अचानक घंटी बजने लगी।
अडोस-पडोस की सफाई ज़रूरी है।
 मोहिनी को डॉक्टर बनने की **अभिलाषा** है।
 बच्चों को **आँख मिचौनी** खेलना बहुत पसंद है।
 कुली कुतुबशाह ने हैदराबाद शहर **आबाद** किया।
आसमान में हवाई जहाज उड़ते हैं।
 मुझे गणेश **उत्सव** पसंद है।
उदास व्यक्ति को सहायता लेनी चाहिए।
 जन्मदिन के अवसर पर **उपहार** मिलते हैं।
 मेरी **उम्र** बारह साल है।
राजू बड़ा कंजूस है।
 गरमियों में **ककड़ी** खाना अच्छी बात है।
कठिनाई सूझ-बूझ से सरल हो जाती है।
 सोने की **कीमत** रोज बढ़ रही है।
कीचड़ में कमल खिलते हैं।
खरगोश तेज दौड़ता है।
 सोच-समझकर **खर्च** करना चाहिए।
 गाय **घास** खाती है।
 बच्चे **चंचल** होते हैं।
 लड़का **चूल्हे** पर खाना बना रही है।
 बच्चे पेड़ की **छाया** में खेल रहे हैं।
 रविवार के दिन **छुट्टी** होती है।
 सर्दियों में स्वेटर की **ज़रूरत** पड़ती है।
 हाथी **झुंड** में रहना पसंद करते हैं।
 शांति की **डगर** पर चलना चाहिए।
 आम के पेड़ का **तना** मजबूत होता है।
पूर्व दिशा में सूर्य उगता है।
 बस और लॉरी के टकराने से **दुर्घटना** हो गयी है।
 चारमीनार की **नक्काशी** सुंदर है।
नाखून बढ़ने पर काट लेना चाहिए।

| | | | |
|----------|---|---------------------------------|--|
| पंख | = | ରେକ୍ଷୁଲୁ, wings | पक्षियों के पंख होते हैं। |
| पगड़ी | = | ତଳପୋଗ, turban | गोंଡ जनजाति की पगड़ी सुंदर होती है। |
| परात | = | ପେଟ୍ରୋଫଲୋ, big plate | परात में फूल रखे हैं। |
| पसीना | = | ଚେମୁଠ, sweat | बहुत खेलने पर शरीर से पसीना निकलता है। |
| पुरस्कार | = | ବହୁମାନ, award | राकेश को खेल में पुरस्कार मिला। |
| बाढ़ | = | ଵରଦ, flood | बाढ़ में बहुत हानि होती है। |
| बुखार | = | ଜୁରୋ, fever | नरेश को बुखार है। |
| भाप | = | ଅବୀରି, steam | चाय को गर्म करने पर भाप निकलती है। |
| भाषण | = | ଛପନ୍ଧୁରୋ, speech/lecture | मारिया भाषण दे रही है। |
| मंजिल | = | ଗମ୍ଭୋ, goal | हमें अपनी मंजिल तक पहुँचना चाहिए। |
| मज़बूत | = | ବଲଂଗା, strong | दीवार मज़बूत है। |
| महोदय | = | ଅଯ୍ୟୁ, sir | अध्यापक महोदय बात कर रहे हैं। |
| मुकाबला | = | ପୋଟୀ, competition | हमें हिम्मत के साथ मुकाबला करना चाहिए। |
| मेहनत | = | ଶ୍ରୁମ, hardworking | हमें मेहनत करनी चाहिए। |
| राही | = | ଭାଟନୋରି, traveller | राही अपनी मंजिल की ओर बढ़ता ही रहता है। |
| लाचार | = | ନିଷ୍ପର୍ଯ୍ୟତ, helpless | लाचार मोहन दिनभर रोता रहा। |
| लोମड़ी | = | ନକ୍ଷୁ, fox | लोମड़ी चालाक प्राणी है। |
| वेश-भूषा | = | କଟ୍ଟୁ-ବୋଟ୍ଟୁ, apparel, dressing | हमारे देश में अलग-अलग वेश-भूषा पहनते हैं। |
| शहर | = | ନଗରୀ, city | हैदराबाद बड़ा शहर है। |
| शान | = | ଗୋପ୍ତା, elegant | भारत की शान निराली है। |
| शाखा | = | କୌମ୍ବୁ, branch | आम के पेड़ की शाखाएँ मज़बूत होती हैं। |
| संकट | = | କଷ୍ଟୋ, trouble | संकट में फंसे लोगों की सहायता करनी चाहिए। |
| सच्चा | = | ନିଜମୂଳ, truth/real | रवि मेरा सच्चा दोस्त है। |
| साल | = | ନଂବତ୍ରୀରୋ, year | अगले साल मेरा भाई डॉक्टर बन जाएगा। |
| सिपाही | = | ହୈନିକୁଡ଼, soldier | भारत के सिपाही वीर हैं। |
| सुविधा | = | ନୋକର୍ଯ୍ୟୋ, facility | सरकार जनता के लिए सुविधाएँ प्रदान करती है। |
| सूखा | = | ଅନାଵ୍ୟୁଷ୍ଟି, drought | सूखा पड़ने पर देश की स्थिति खराब हो जाती है। |
| स्वच्छता | = | ପରିଷ୍କର୍ତ୍ତ୍ଵ, cleanliness | स्वच्छता से बीमारियाँ नहीं फैलती हैं। |
| हल्दी | = | ପରସ୍ପୁ, turmeric | हल्दी पीली होती है। |
| हिम्मत | = | ଦୈର୍ଘ୍ୟୋ, daringness | हिम्मत से काम लेना चाहिए। |
| होशियार | = | ଛେତିଫନ, clever | सभी ने होशियार लड़की की प्रशংসা की। |

अध्यापकों के लिए सूचना

यहाँ पर शब्दों के अर्थ व उनके वाक्य प्रयोग दिये गये हैं। बच्चों को अर्थ समझाने के लिए और अधिक वाक्य प्रयोग सिखाइए।